CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-177
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, बुधवार 02 अक्टूबर 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

भलाई से बढ़कर जीवन और, बुराई से बढ़कर मृत्यु नहीं है।

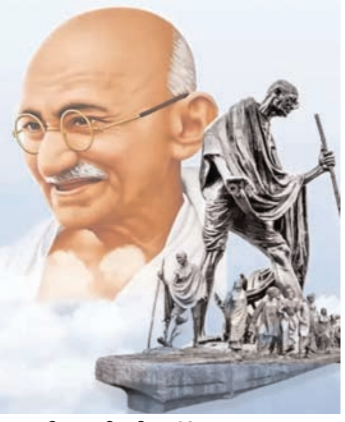

गांधी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

गुरमीत सिंह राम रहीम को चुनाव से पहले पैरोल विवाद में रॉबर्ट वाड्रा की एंट्री

नई दिल्ली। यौन शोषण और हत्या के आरोप में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले 20 दिनों की पैरोल मिलने का विरोध शुरू हो गया है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखकर राम रहीम को पैरोल दिए जाने पर आपत्ति जताई है और आयोग से आग्रह किया है कि इस समय जेल से उनकी रिहाई आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन होगी। राम रहीम को पैरोल देने की मंजूरी चुनाव आयोग दे चुका है। पिछले दो साल में उनका यह 11वां पैरोल होगा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने भी मंगलवार को आरोप लगाया कि डेरा सच्चा सौदा प्रमुख और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए जेल से बाहर लाने के पीछे भाजपा का हाथ है और इसका उद्देश्य कांग्रेस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाना है। वाड्रा ने कहा कि जब चुनाव से पहले वे बाबा राम रहीम को 20 दिन के लिए रिहा करते हैं, जिस पर हत्या, बलात्कार के आरोप हैं और आप (भाजपा) उन्हें प्रचार करने के लिए रिहा करते हैं...

2035 तक इलेक्ट्रिक वाहन करेंगे भारत की 8.7 प्रतिशत बिजली की खपत

नई दिल्ली। 2035 तक भारत की कुल बिजली का 8.7 प्रतिशत हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा खपत किया जाएगा। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग, बिक्री और बेड़े की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है। अगले दशक के मध्य तक भारत की बिजली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा खपत किया जाएगा, जो छह प्रतिशत से 8.7 प्रतिशत के बीच होगा। निवेश प्रबंधन फर्म एकेआईजीएआई एसेट मैनेजर होल्डिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों द्वारा की जाने वाली यह बिजली खपत देशभर में ईवी की बढ़ती हुई स्वीकृति दर और पावर ग्रिड पर उनके असर को दिखाती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर भी, उपभोक्तओं द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का स्तर बढ़ रहा है। 2023 में, इलेक्ट्रिक वाहन दुनियाभर में कुल कार बिक्री का 18 प्रतिशत हिस्सा होंगे। जिसमें चीन का योगदान 50 प्रतिशत से ज्यादा होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल में इस तीव्र बढ़ोतरी का वैश्विक बिजली खपत पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

29 मार्च 2028 को प्रक्षेपित किया जाएगा जाएगा शुक्रयान 112 दिन बाद में पहुंचेगा

नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की अपार सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) शुक्र ग्रह पर जाने की तैयारी कर रहा है। इसरो ने जानकारी दी है कि इस मिशन में अंतरिक्ष यान को ग्रह तक पहुंचने में 112 दिन लगेंगे। इसका नाम वीनस ऑर्बिटर मिशन (वीओएम) है। यान की लॉन्चिंग कब होगी, ऐलान हो गया है। शुक्र ग्रह के लिए भारत का यह पहला प्रयास होगा। इसका उद्देश्य ग्रह के वायुमंडल, सतल और भूवैज्ञानिक विशेषताओं का अध्ययन करना है। भारत सरकार द्वारा इस मिशन के लिए 1,236 करोड़ रुपए(लगभग 150 मिलियन डॉलर) की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसरो ने ऐलान किया है कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो शुक्रयान-1 को 29 मार्च 2028 को प्रक्षेपित किया जाएगा। शुक्रयान-1 शुक्र ग्रह का अध्ययन करने का भारत का पहला प्रयास होगा। इस मिशन में इसरो के शक्तिशाली एलवीएम-3 (लॉन्च व्हीकल मार्क 3) रॉकेट का इस्तेमाल किया जाएगा। यह अंतरिक्ष यान शुक्र की सतह पर लॉन्चिंग के 112 दिन बाद 19 जुलाई 2028 को पहुंचेगा। वीओएम का उद्देश्य शुक्र ग्रह के वायुमंडल, सतह और भूवैज्ञानिक विशेषताओं का अध्ययन करना है।

विशेष योजना : परचेस मॉडल लागू करने की तैयारी, शुरुआत में चयनित शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा

मप्र सरकार अधिकारियों और कर्मचारियों को किस्त पर देगी मकान

भोपाल। मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार अधिकारी और कर्मचारियों के लिए एक विशेष योजना लेकर आ रही है। इस योजना के तहत पहले कर्मचारियों को मकान किराए पर दिया जाएगा, उसके बाद उसका मालिकाना हक भी दे दिया जाएगा। शुरुआत में चयनित महानगरों में इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा। दरअसल, इस तरह की योजना पूर्व में भी चलती थी लेकिन बाद में बंद कर दिया गया था। अब बढ़ती आवासीय मांग के कारण सरकार इसे फिर से शुरू करने का मन बना रही है। राज्य सरकार हायर परचेस मॉडल (किराया क्रय पद्धति) लागू करने की तैयारी मे हैं। इस मॉडल की खासियत यह है कि शासकीय कर्मचारी को मकान किराए पर दिया जाता है, फिर किश्तों में मकान की वास्तविक कीमत का भुगतान करना होगा। वहीं, अंतिम किस्त के भुगतान के बाद कर्मचारी को मकान का मालिकाना हक दे दिया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य शासन के अंशदान के साथ आवंटियों की भागीदारी और हायर परचेस मॉडल, एन्यूटी माडल, निजी आवासीय कॉम्प्लेक्स किराए पर लेने और अन्य प्रस्तावों पर विचार किया जा रहा है।

इन शहरों में होगी शुरुआत- सबसे पहले इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में इस योजना को पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया जाएगा। सरकार इसके लिए एक समिति गठित करेगी, यह समिति शासकीय आवास गृहों के निर्माण के लिए वैकल्पिक वित्तीय तथा क्रियान्वयन प्रक्रिया के प्रस्ताव बनाएगी।

पूर्व सीएम शिवराज के समय में भी हुआ था विचार- हायर परचेस मॉडल सहित कर्मचारियों को आवासीय सुविधा देने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय विकल्पों पर विचार किया गया था। तत्कालीन अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान की अध्यक्षता में समिति भी गठित की गई थी। उस समय इस समिति को एक महीने में अपनी अनुशंसाएं सामान्य प्रशासन विभाग को प्रस्तुत करनी थी, लेकिन इस योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

यह है हायर परचेस सिस्टम और एन्यूटी मॉडल- हायर परचेस सिस्टम (किराया क्रय पद्धति) में एक समझौते या अनुबंध के आधार पर जो खरीददार होता है, वह मकान या भूखंड का मूल्य नकद में न चुकाकर, किस्तों में उसके भुगतान करने का वादा करता हैं। इस प्रक्रिया में मकान क्रेता को सौंप दिया जाता है, लेकिन मकान का स्वामित्व विक्रेता के पास ही रहता है। क्रेता को माल की सुपुर्दगी के साथ ही उसको प्रयोग करने का अधिकार दे दिया जाता हैं।

अंतिम किस्त भुगतान के बाद बनेगा मालिक- वहीं, जब तक क्रेता द्वारा अंतिम किस्त का भुगतान नहीं कर दिया जाता, तब तक क्रेता उस वस्तु का मालिक नहीं हो सकता हैं। यदि क्रेता किस्तों का भुगतान करने में देरी करता है या चूक जाता है या फिर पूरी किस्तों का भुगतान नहीं कर पाता है तो भुगतान की गई किस्तों को जब्त कर लिया जाता है। उसे किराया (हायर चार्ज) शुल्क मान लिया जाता है।

वाराणसी के 14 मंदिरों से साईंबाबा की मूर्तियां हटाईं, सौ मंदिरों की लिस्ट बनी

वाराणसी। वाराणसी में साईं बाबा को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। केंद्रीय ब्राह्मण सभा के विरोध के बाद काशी के मंदिरों से साईं बाबा की प्रतिमाएं हटाई जा रही हैं। अब तक काशी के 14 मंदिरों से साईं की मूर्ति हटा ली गई है। दरअसल साईं बाबा की पूजा को प्रेत पूजा मानकर इसको सनातन विरोधी बताया जा रहा है। इसीलिए वाराणसी में ब्राह्मण सभा के लोग मूर्तियां हटा रहे हैं। साईं बाबा की कुछ मूर्तियों को गंगा में विसर्जित किया गया और कुछ को उनके मंदिरों में पहुंचाया जा रहा है। सनातन रक्षक दल ने अभी 100 और मंदिरों की लिस्ट बनाई है। वाराणसी के बड़ा गणेश मंदिर से साईं की प्रतिमा को हटा दिया गया है। मंदिर से मूर्ति हटाने का यह कार्य केंद्रीय ब्राह्मण महासभा के द्वारा किया गया है। केंद्रीय ब्राह्मण महासभा के कार्यकर्ता बड़ा गणेश मंदिर पहुंचे और वहां स्थापित साईं बाबा की मूर्ति को हटाकर के बाहर कर दिया। ब्राह्मण महासभा के लोगों ने मंदिर के पुजारी को फटकार लगाते हुए कहा कि मंदिर में साईं का क्या काम? वहीं मूर्ति हटाने को लेकर मंदिर के कुछ पुजारी सहमत दिखाई दिए। मंदिर के पुजारियों ने भी मूर्ति हटाने का विरोध नहीं किया। इसलिए किसी तरह का कोई विवाद नहीं हुआ।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तीसरे और आखिरी चरण में हुई 65% वोटिंग

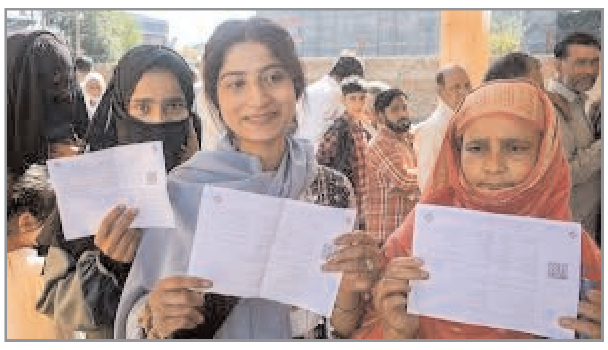

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को तीसरे और आखिरी चरण का मतदान संपन्न हुआ। प्रदेश की 40 विधानसभा सीटों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक 65.48 प्रतिशत मतदान हुआ। फाइनल आंकड़े में मतदान प्रतिशत बढ़ सकता है। इस चरण की 40 सीटों पर 39.18 लाख मतदाताओं ने 415 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में सुरक्षित कर दिया है। सबसे ज्यादा उधमपुर में 72.91त्न वोटिंग हुई। सबसे कम बारामूला में 55.73त्न मतदान हुआ। तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं। आखिरी फेज में 387 पुरुष और 28 महिला उम्मीदवार मैदान में थे। थर्ड फेज में 169 कैंडिडेट्स करोड़पति और 67 उम्मीदवारों पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू के नगरोटा से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह राणा की सबसे ज्यादा 126 करोड़ की संपत्ति है। इस फेज में संसद हमले के मास्टरमाइंड अफजल गुरु के बड़े भाई एजाज अहमद गुरु भी चुनावी मैदान में थे। एजाज गुरु सोपोर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी हैं। नॉर्थ कश्मीर की लंगेट सीट से इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं पूर्व उप मुख्यमंत्री मुजफ्फर हुसैन बेग बारामूला से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। बता दें जम्मू-कश्मीर में पहले चरण का मतदान18 सितंबर, दूसरे चरण का मतदान 25 सितंबर को हो चुका है। अब 8 अक्टूबर को ईवीएम खुलने का सभी को बेसब्री से है इंतजार है।

पशुपतिनाथ के दर्शन करने गए मध्यप्रदेश के 23 श्रद्धालु नेपाल में फंसे

भोपाल। नेपाल में तेज बारिश के बीच मध्य प्रदेश के 23 श्रद्धालु काठमांडू में फंस गए हैं। सभी यात्री पशुपतिनाथ के दर्शन करने गए थे। काठमांडू से लौटने के दौरान काबरे जिले में तेज बारिश के बाद नदी में आई बाढ़ से ब्रिज और सड़कें बह गईं। इसके चलते श्रद्धालु फंस गए। उन्होंने सरकार से वापस निकालने की गुहार लगाई है। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी को सकुशल गृह नगर पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। मध्यप्रदेश के 23 श्रद्धालुओं ने केंद्र और मध्य प्रदेश सरकार ने मदद मांगी है। दरअसल प्रदेश से श्रद्धालु पशुपतिनाथ के दर्शन करने के लिए नेपाल गए थे। वहां तेज बारिश के चलते बाढ़ से ब्रिज और सड़कें बह गईं। इसमें मध्य प्रदेश के 23 श्रद्धालु फंस गए। यह यात्री डिंडौरी, मंडला, जबलपुर और रीवा के हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से मदद की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नेपाल में हुए भूस्खलन में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से गए कुल 23 यात्रियों के फंसे होने की जानकारी प्राप्त हुई है। मध्यप्रदेश सरकार ने भारत सरकार की सहायता से काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाल कर इनके गंतव्य स्थानों पर भेजने की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि मैं आश्वस्त करता हूं कि आप चिंतित न हों, आपको सकुशल गृह नगर तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था की जा रही है। वहीं, संबंधित जिलों के कलेक्टरों ने नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है।

एमपी गजब है... मप्र में दुनिया का सबसे गरीब आदमी! सालाना कमाई 2 रुपए...

सागर। यदि आपको दुनिया का सबसे गरीब आदमी देखना है तो मप्र के सागर जिले के बंडा तहसील चले आईए! यहां पर एक परिवार ऐसा है, जिसकी सालभर की कमाई महज 2 रुपए हैं। इसी से इनका गुजर-बसर चलता है। हकीकत जो भी हो, लेकिन इस परिवार के पास बाकायदा प्रशासन द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र मौजूद है। आय प्रमाण पत्र इनकी सालाना कमाई का सबूत भी है। दरअसल, सागर जिले के बंडा तहसील के एक परिवार का वीडियो और आय प्रमाण पत्र इन दिनों सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोर रहा है। इस परिवार का दावा है कि उसके पास सालाना कमाई मात्र 2 रुपए का प्रमाण पत्र मौजूद है, जिसे खुद बंडा के तहसीलदार ने सील साइन कर जारी किया है। यह प्रमाण पत्र बीते जनवरी 2024 में जारी किया गया था। सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे इस मामले में सामने आया है कि 2 रुपए सालाना कमाई का प्रमाण पत्र सागर जिले की बंडा तहसील के घूघरा गांव निवासी बलराम चढ़ार के नाम से जारी किया गया है। उन्होंने आय प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। बीते जनवरी महीने में उन्हें यह प्रमाण पत्र जारी किया गया था। घूघरा गांव के बलराम ने बताया कि उन्होंने जब ऑनलाइन आवेदन किया था तो सालाना आय 40 हजार रुपए लिखवाई थी, लेकिन तहसील के बाबू ने गलती से इसे मात्र 2 रुपए अंकित कर दिया। मामले में तहसीलदार कार्यालय में किसी ने भी दस्तावेजों को ध्यान से नहीं पढ़ा और तत्कालीन तहसीलदार ज्ञानचंद राय ने तक ने आंख बंद कर हस्ताक्षर कर ऑनलाइन आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया। अब बलराम अपने प्रमाण पत्र में सुधार चाहते हैं, इसके लिए वे आवेदन भी कर रहे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री का सवाल- 'हवस का पुजारी' होता है, 'हवस का मौलवी' क्यों नहीं?

छतरपुर। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अपने बयान को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सवाल उठाया है कि क्यों सिर्फ हवस के पुजारी शब्द का इस्तेमाल किया जाता है, हवस के मौलवी नहीं। उन्होंने कहा मुस्लिम मौलवियों की कभी बेइज्जती नहीं करते, लेकिन हिंदुओं के दिमाग में प्रायोजित तरीके से ऐसे शब्द भरे गए। बागेश्वर बाबा के सवाल पर मुस्लिम धर्मगुरुओं ने आपत्ति जाहिर की है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना शहाबुद्दीन ने धीरेंद्र कृष्ण के बयान को नफरती बताया है। मौलाना शहाबुद्दीन ने एक वीडियो मैसेज में कहा कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हमेशा आपत्तिजनक बातें करते हैं। उन्होंने कहा, यह उनके नजरिए और उनकी सोच को दशार्ता है। धार्मिक व्यक्ति होकर धर्म के प्रचारकों के खिलाफ वह इस तरह की उलूल-जुलूल बातें करते हैं, उनको शर्म आनी चाहिए। उनको हमेशा अच्छी बात कहनी चाहिए, ऐसी बात कहनी चाहिए जो लोगों के लिए सबक हो। लेकिन वह हमेशा ऐसी बात करते हैं जो आपत्तिजनक हों। उन्होंने सभी धर्म के प्रचारकों को, चाहें वो हिंदू हों या मुसलमान, कटघरे में खड़ा कर दिया है।

सत्ता की मनमर्जी से नहीं, कानून से चलेगा बुलडोजर!

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट देशभर में आरोपियों को सजा देने के लिए इस्तेमाल हो रहे 'बुलडोजर जस्टिस' पर लगाम कसने के लिए अपनी ओर से दिशानिर्देश तय करेगा। यह दिशानिर्देश देशभर में लागू होंगे। कोर्ट इनके जरिये सुनिश्चित करेगा कि अवैध निर्माण को हटाए जाने की इजाजत देने वाले स्थानीय कानूनों का दुरूपयोग न हो और बुलडोजर कार्रवाई को अंजाम देने में पूरी कानूनी प्रकिया का पालन हो। कोर्ट ने मंगलवार को हुई सुनवाई में देश के विभिन्न राज्यों में हो रही बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखते हुए कोर्ट ने साफ किया कि उसका 17 सितंबर को दिया आदेश फिलहाल बरकरार रहेगा। इस आदेश के मुताबिक देशभर में अभी बुलडोजर कार्रवाई पर रोक रहेगी यानी इस दरम्यान कोर्ट की इजाजत के बिना किसी की निजी संपत्ति, घर को नहीं ढहाया जाएगा। हालांकि सड़क, फुटपाथ या रेलवे लाइन की जमीन के अतिक्रमण को हटाए जाने पर कोई रोक नहीं है।

सड़क के बीच किसी धार्मिक स्थल की इजाजत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ किया कि लोगों की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। अगर सड़क के बीच में कोई मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा या दरगाह जैसा धार्मिक स्थान भी है तो उसे हटाना होगा। रास्ते के बीच में धार्मिक स्थल की इजाजत नहीं दी जा सकती।

सजा देने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं हो सकता

सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि सजा देने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल नहीं हो सकता है। किसी के घर को इसलिए नहीं ढहाया जा सकता है कि क्योंकि उस घर का कोई शख्स किसी केस में आरोपी या दोषी है।

कोर्ट के दिशानिर्देश सभी धर्मों के लिए

सुनवाई के दौरान सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता ने सवाल उठाया कि यह कहना गलत होगा कि बुलडोजर कार्रवाई के जरिए सिर्फ धर्म विशेष के लोगों को टारगेट किया जा रहा है। कोर्ट के सामने चुनिंदा घटनाओं का हवाला देते हुए यह तस्वीर पेश करने की कोशिश की गई है। इस पर जस्टिस बी आर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि हम सेक्युलर देश में रहते है। जाहिर है कि हमारे दिशानिर्देश पूरे देश के लिए होंगे। हरेक धर्म को मानने वाले लोगों पर लागू होंगे। हम पहले ही साफ कर चुके हैं कि अगर अतिक्रमण सड़क पर, फुटपाथ पर है तो उसे हटाने पर कोई रोक नहीं है। अगर अतिक्रमण है तो उस पर कार्रवाई कानून के मुताबिक होनी चाहिए। उसके मालिक के धर्म के आधार पर नहीं।

सिंगल कॉलम

ड्राइवर और उसके साथी को चाकू मारकर घायल करने वाला पुलिस के हवाले

इंदौर। इंदौर के चोइथराम मंडी में मंगलवार तड़के ट्रक में चोरी करने घुसे एक चोर ने ड्राइवर और उसके साथी को चाकू मारकर घायल कर दिया। यहां सिक्योरिटी गार्ड ने उसे पकड़ कर राजेन्द्र नगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने ड्राइवर और उसके साथी का मेडिकल परीक्षण कराया है। राजेन्द्र नगर थाने पर चेतन सेन मंगलवार सुबह पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके रिश्तेदार खुमान सिंह (62) पुत्र यदुनाथ सिंह निवासी भीकनगांव खरगोन और लालसिंह (36) पुत्र दरबार आलू प्याज से भरा हुआ ट्रक लेकर यहां आए थे। रात करीब 3 बजे एक युवक चोरी करने के नीयत से ट्रक में चढ़ा था। ट्रक में सोए हुए लालसिंह की नींद खुल गई। उसने चोर को पकड़ लिया। झगड़े में चोर ने लालसिंह को चाकू मार दिया। उसकी आवाज सुनकर खुमानसिंह पहुंचे तो उन पर भी हमला कर दिया। यहां पर चिल्लाने की आवाज पर गार्ड पहुंचे। उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया। जिसे राजेन्द्र नगर पुलिस के सुपुर्द किया गया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

बाइक सवार तीन स्टूडेंट हादसे का शिकार, दो की हालत गंभीर

इंदौर। इंदौर के नवलखा के पास बाइक सवार तीन स्टूडेंट हादसे का शिकार हो गए। सेज यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट सहित दो की हालत गंभीर बनी हुई है। वे अपने दोस्त को छोड़ने एलआईजी जा रहे थे। उन्हें नवलखा चौराहे के नजदीक ट्रक ने चपेट में ले लिया। हादसा सोमवार देर रात 1 बजे हुआ। भंवरकुआ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सड़क हादसे में प्रियांशु,उसका दोस्त आयुष और ओम सड़क हादसे का शिकार हो गए। दोस्त ने बताया कि प्रियांशु और ओम बाइक से आयुष को छोड़ने एलआईजी इलाके में जा रहे थे। इस हादसे में प्रियांशु और आयुष गंभीर घायल हो गए। जबकि ओम को हाथ और पैर में चोट आई है। दोनों गंभीर घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल भेजा गया है। दोस्तों ने बताया कि प्रियांशु सेज यूनिवर्सिटी से डिप्लोमा कर रहा है। वह मूल रूप से बड़गांव का रहने वाला है। वहीं आयुष आईपीएस में कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई कर रहा है। वह धनगांव का रहने वाला है। एक अन्य घायल छात्र ओम इंदौर से निजी कोचिंग कर रहा है। ओम एलआईजी इलाके में रहता है। दोनों दोस्त उसे ही लेकर रात में बाइक से निकले थे।

ताला तोड़कर ज्वेलरी शॉप से आभूषण और नकदी ले भागे बदमाश

इंदौर। इंदौर के हीरा नगर में बदमाशों ने एक ज्वेलरी शॉप को अपना निशाना बनाया है। बदमाश यहां से शोकेस में रखे आभूषण और नकदी चुराकर ले गए। पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है। हीरा नगर पुलिस के मुताबिक अमरीशचन्द्र पुत्र दीनानाथ वर्मा निवासी 177 नार्थ एवेन्यू ने बताया कि उनकी मानसी ज्वेलर्स के नाम से अभिनंदन नगर में शॉप है। 28 सितंबर की रात में वह दुकान पर ताला लगाकर गए थे। सोमवार की सुबह मकान मालिक ने फोन पर बताया कि दुकान का ताला टूटा हुआ है। मौके पर पहुंचे तो शटर टूटा हुआ मिला। दुकान के अंदर जाकर देखा तो शोकेस में रखे सोने और चांदी के आभूषण गायब थे। वहीं आलमारी में रखे करीब 19 हजार रूपए भी नहीं मिले। इस मामले में स्थानीय पुलिस को जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक मौके पर मंगलवार को जाकर सीसीटीवी फुटेज निकाले है। जिसमें 5 चोर वहां वारदात के लिये आते जाते दिखाई दिए है। पुलिस के मुताबिक चोर हुलिए से राजस्थान की गैंग लग रही है। अब इसी आधार पर शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे है।

इंदौर एयरपोर्ट से विंटर सीजन में पुणे और जयपुर के लिए शुरू होंगी सीधी उड़ानें

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से विंटर सीजन (शीत ऋतु) में पुणे और जयपुर के लिए सीधी उड़ानें शुरू होने वाली हैं। जयपुर उड़ान की शुरुआत 27 अक्टूबर से होगी। इसके बाद जयपुर के लिए तीन सीधी उड़ानें हो जाएंगी। वहीं पुणे उड़ान का संचालन 28 सितंबर से शुरू होगा।यह उड़ान सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को संचालित होगी। इसके बाद पुणे के लिए इंदौर से दो उड़ानें हो जाएंगी। यह उड़ान इंदौर से दिन में संचालित होने से यात्रियों को पुणे जाने के लिए बेहतर विकल्प मिलेगा। अभी जो उड़ान संचालित होती है, वह रात्रि में संचालित होती है। नई उड़ानों को चलाने के लिए पहले से संचालित उड़ानों के समय में बदलाव किया गया है। पुणे से रात्रि 1.40 बजे उड़ान भरकर रात्रि 2.50 बजे इंदौर पहुंचने वाली उड़ान 27 अक्टूबर से सुबह संचालित होगी। यह उड़ान पुणे से सुबह पांच बजे रवाना होकर 6.10 बजे इंदौर पहुंचेगी। नवंबर से रनवे का सुधार कार्य रात्रि में किया जाएगा।

सनातन धर्म की बुराई, प्लॉट का लालच... ब्रेन वॉश करते पकड़ाया पॉस्टर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक ईसाई नेता की साजिश का पदार्फाश हुआ है। पुलिस ने लोगों की शिकायत पर धर्मातरण के लिए प्रोत्साहित करते हुए एक ईसाई नेता को पकड़ा है। इन लोगों को फ्री एजुकेशन, प्लॉट और पैसों का प्रलोभन दिया जा रहा था। लालच देकर इन लोगों का धर्मांतरण कराया जा रहा था। हिंदू संगठन के कुछ लोग भीड़ के साथ एक ईसाई नेता के घर पहुंचे। संगठन का आरोप है कि महिलाओं को सनातन धर्म के खिलाफ भड़काया जा रहा था। हिंदू जागरण मंच ने दोनों पक्षों को लेकर थाने पहुंचे। साथ ही कार्रवाई की मांग करने लगे। पुलिस ने धर्मातरण के आरोप में ईसाई नेता को गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं, इंदौर के हीरानगर थाना क्षेत्र के बापट चौराहे पर पॉस्टर थॉमस मैथ्यू कथित रूप से तंग बस्तियों की महिलाओं को धर्मातरण करवा रहा था। मैथ्यू हर रविवार को धर्मातरण संबंधित गतिविधियों के लिए महिलाओं और बच्चों को बुलाता था। मानसिंह राजावत से कुछ महिलाओं ने मैथ्यू के घर का

पता पूछा तो उसे शक हुआ। मैथ्यू के घर पहुंचे तो हुआ खुलासा राजावत अपने परिचित कपिल कौशल और कृष्णा वाघ के साथ भीड़ में शामिल होकर मैथ्यू के पर जा पहुंचे। उस वक्त करीब 25 महिलाएं, पुरुष और बच्चे मैथ्यू के घर में मौजूद थे। मैथ्यू द्वारा उन्हें ईसाई धर्म अपनाने को लेकर प्रोत्साहित किया जा रहा था। सब इंस्पेक्टर शिवराज सिंह ने बताया कि राजावत के मुताबिक मैथ्यू उन्हें सनातन धर्म के प्रति भड़का रहा था। वह सनातन धर्म को बुरा और देवी-देवताओं को झूठा बता रहा था। उसने कहा कि यीशु ने जीवन मानवों के लिए त्याग है। हिंदू देवताओं ने मानवों के लिए कुछ नहीं किया। वह हनुमान चालीसा फाड़ने की कोशिश कर रहा था तो राजावत ने रोक दिया। इसी बीच हंगामा हो गया और घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस जैसे ही मौके पर पहुंची तो मैथ्यू को उनके हवाले कर दिया गया।

थॉमस मैथ्यू पर केस दर्ज

वहीं, धर्मातरण के मामले में हीरानगर पुलिस ने हिंदूवादी नेता मानसिंह राजावत की शिकायत पर पॉस्टर थॉमस मैथ्यू पर केस दर्ज किया है। महिलाओं ने बताया कि कई लोगों का धर्मातरण करवा चुका है। उन्हें मुफ्त का प्लॉट, बच्चों की पढ़ाई और दवा दिलवाने का प्रलोभन दिया गया है। धर्मातरण के लिए आई ज्यादातर महिलाएं इसी लालच का शिकार थीं। एसआई के मुताबिक मैथ्यू के विरुद्ध बीएनएस की धारा 299 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। उसका पुराना रिकॉर्ड भी खंगाला जाएगा।

गरबों के दौरान मनचले परेशान करें तो 7049119202 पर फोटो करें वाट्सएप

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में नवरात्रि उत्सव के माहौल के बीच युवतियों व महिलाओं की सुरक्षा के लिए कमर कसी है। गरबा पांडालों में आयोजकों को सीसीटीवी कैमरे लगाने को कहा गया है और पर्याप्त संख्या में गार्ड व वालिंटियर्स की व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया है। इसके अलावा मनचले यदि युवतियों को परेशान करे तो वे उनके फोटो खींच कर पुलिस विभाग को भेज सकती है। पुलिस ने इसक लिए हेल्पलाइन नंबर 7049119202 भी जारी किया है। इंदौर में 20 से ज्यादा स्थानों पर बड़े स्तर के गरबे होते हैं। इनमें हजारों लोग जुटते हैं। इसके अलावा 200 से ज्यादा आयोजन पूरे 9 दिन होते हैं। पुलिस विभाग इस दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतेगा। आयोजन स्थलों पर सादी वर्दी में पुलिस जवान तैनात रहेंगे और असामाजिक तत्वों व मनचलों पर नजर रखेंगे। इसके अलावा महिला अपराध करने वालों की जन्म कुंडली भी तैयार की गई है। उन अपराधियों पर भी पुलिस निगरानी रखेगी। गरबों के दौरान या दर्शक दिर्घा में महिला व युवतियों को यदि कोई परेशान करता है तो पुलिस ने हेल्प लाइन नंबर पर मनचलों की तस्वीर डालने का आग्रह भी किया है। वाट्सएप पर फोटो और स्थान का नाम आते ही मौके पर पुलिसकर्मी कम समय में पहुंच जाएंगे और मनचलों के खिलाफ एक्शन लेंगे।

48 बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

महिला संबंधी अपराध करने वाले बदमाशों पर भी पुलिस कार्रवाई कर रही है। बीते दस सालों में कुल 2,477 बदमाशों को चिह्नित किया गया है। सोमवार को पुलिस ने 117 आरोपितों को उनके घर जाकर चेक किया है। इसके बाद थाने बुलाकर उनसे बाउंड ओवर, डोजियर बनने की कार्रवाई की जा रही है। 48 आरोपितों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। महिलाओं और बालिकाओं संबंधी अपराधों को रोकने के लिए पुलिस जागरूकता अभियान भी चला रही है। महिला थाना प्रभारी के नेतृत्व में पांच टीमों का गठन किया गया है। स्कूल, कॉलेज, धार्मिक संस्थान, पार्क, कोचिंग संस्थान, नुक्कड़ पर चौपाल लगाकर महिला संबंधित अपराध और साइबर ठगी के बारे में जानकारी दी जा रही है।

ग्रामीण पुलिस भी एक्शन में

शहर की ग्रामीण पुलिस भी महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक्शन में आ गई है। पुलिस ने पिछले 10 वर्षों के सभी यौन अपराध अपराधियों, विशेष रूप से

पीडोफाइल का डेटाबेस बना रही है और उनके दरवाजे खटखटा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने पहले ही 11,259 ऐसे लोगों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार कर लिया है, जिनमें पीछा करने और अश्लील टिप्पणियां करने के दोषी लोग भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी पर नजर रखी जा रही है। इस डेटाबेस में, चाहे वे पहली बार अपराधी हों या बार-बार अपराधी हों, प्रत्येक पूर्व दोषी के बारे में व्यापक जानकारी शामिल है, जैसे कि उनके स्थायी और वर्तमान पते, सहयोगी, व्यवसाय, कार्यस्थल, पारिवारिक पृष्ठभूमि, आपराधिक इतिहास और जमानत से संबंधित डिटेल।

जमानत रद्द करने के लिए भी काम

इंदौर (ग्रामीण) एसपी हितिका वासल ने कहा, हम सक्रिय रूप से इन व्यक्तियों पर नजर रख रहे हैं और उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए निवारक उपाय कर रहे हैं।

हम बार-बार अपराध करने वालों की जमानत रद्द करने के लिए भी काम कर रहे हैं। अकेले पिछले दो दिनों में, ग्रामीण पुलिस ने लगभग 1,200 अपराधियों के रिकॉर्ड संकलित किए हैं और उनमें से लगभग 900 के खिलाफ निवारक कार्रवाई की गई है।

पंडालों के बाहर पुलिस तैनात करने की योजना

पुलिस ने बड़े नवरात्र पंडालों के बाहर पुलिस तैनात करने की योजना बनाई है। एसपी ने कहा कि यह अभ्यास महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए है, खासकर नवरात्र और अन्य त्योहारों से पहले। पुलिस इन पूर्व दोषियों के घर जा रही है और उन्हें स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दे रही है कि उन पर निगरानी रखी जा रही है। यह स्वीकार करते हुए कि कई यौन अपराध पीड़ितों के परिवार के सदस्यों या करीबी परिचितों द्वारा किए जाते हैं, पुलिस ने ऐसे परिवारों को संवेदनशील तरीके से संभालने के लिए एक रणनीति विकसित की है। इंदौर भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा ने अपने विवादित बयान पर सफाई दी है। उन्होंने सुझाव दिया था कि गरबा पंडालों में प्रवेश से पहले गोमूत्र प्रसाद के रूप में दिया जाए। वर्मा ने कहा कि यह उनका निजी मत था, जिसे गलत तरीके से विवाद का रूप दिया गया। उन्होंने इसे एक पवित्र विचार बताया और कहा कि यह सनातन संस्कृति और पुरानी परंपराओं से जुड़ा हुआ है। वर्मा ने कहा कि उनकी मंशा किसी पर कोई अनिवार्यता या प्रतिबंध लगाने की नहीं थी, बल्कि यह एक निजी विचार था जिसे सार्वजनिक रूप से साझा किया गया। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उन्होंने इस बात को वाद-विवाद का विषय बना दिया, जबकि उनका बयान धार्मिक आस्था और परंपराओं के आधार पर था। इसके अलावा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने इस बयान से खुद को और संगठन को अलग करते हुए कहा कि यह संगठन का विचार नहीं है और यह चिंटू वर्मा के व्यक्तिगत विचार थे। वहीं मप्र कांग्रेस के महासचिव राकेश यादव ने कहा कि भाजपा नेता का यह बयान हिन्दू-मुस्लिम समाज में फूट डालने के लिए दिया गया है। भाजपा फूट डालो राज करो की नीति पर काम कर रही है। हमारे देश में सारे त्योहार एकता के प्रतीक हैं। सभी धर्म के लोग एक दूसरे के त्योहार में शामिल होते हैं।

मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ इस माह चलेगा अभियान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए मिलावटी सामग्रियों की जांच का अभियान प्रतिमाह चलाया जाता है, लेकिन दीपावली से पहले अक्टूबर में यह अभियान वृहद स्तर पर चलेगा। जांच के लिए प्रशासन ने तीन दल गठित किए हैं, जिससे त्योहारों में ग्राहकों को शुद्धता की कसोटी पर परखी खाद्य सामग्री प्राप्त हो सके। ग्रामीण क्षेत्रों में भी सेम्पल लिए जाएंगे और इसकी रिपोर्ट भी जिला प्रशासन को प्रस्तुत करेंगे। प्रत्येक माह लिए जाने वाले सेम्पलों की अपेक्षा अक्टूबर में तीन गुना सेम्पलिंग करने का लक्ष्य तय किया गया है।

दीपावली पर मिलावटी सामग्रियों की बिक्री पर लगाम कसने के लिए प्रशासन से एक माह पहले से जांच शुरू कर दी है।

खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाएंगे खाद्य सुरक्षा अधिकारी का दल दुकानों पर जाकर खाद्य पदार्थों के नमूने लेगा। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जांच का अभियान चलेगा। जिन संस्थानों के नमूने फेल होंगे उन पर जुर्माना और खाद्य लायसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। एक दिन ग्रामीण क्षेत्रों में जांचप्रशासन ने इस बार त्योहारों से पहले ही जांच टीमें गठित कर दी है। यह टीमें प्रतिदिन खाद्य निर्माण इकाईयों और दुकानों से सेम्पल एकत्रित करेंगी। इसके अलावा बाहर से आने वाले मावे और अन्य खाद्य पदार्थों की जांच भी टीमें करेंगी। सप्ताह में एक दिन तहसील स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में सेम्पल एकत्रित करेगा।

वार्ड के हिसाब से क्षेत्र बांटे

जांच दलों को वार्ड अनुसार क्षेत्र का आवंटन किया है। एक नंबर दल को वार्ड एक से 27 तक और राऊ, हातोद, बिचोलीहप्सी तहसील का जिम्मा दिया है। दो नंबर दल को वार्ड 28 से 58 और महू, कनाड़िया का क्षेत्र दिया गया है। तीसरे दल को वार्ड 59 से 85 और सांवेर, देपालपुर, खुडैल तहसील में जांच का जिम्मा दिया है।

गौरव बैनल, अपर कलेक्टर ने त्योहारों में मिलावटी खाद्य सामग्री के विक्रय पर रोक लगाने के लिए दल गठित किए गए है, जो प्रतिदिन बाजारों में सेम्पल लेकर खाद्य पदार्थों की शुद्धता की जांच करेंगे। खाद्य पदार्थ निर्माण इकाईयों का निरीक्षण करने के अलावा बाहर से आने वाले लोडिंग और अनलोडिंग के स्थानों का निरीक्षण भी किया जाएगा।

मेट्रो ट्रैक के नीचे बना दिए डिवाइडर बारिश में पानी भरा तो तोड़ डाले

इंदौर। इंदौर में नगर निगम के इंजीनियरों की पगार जनता के पसीने की कमाई से जाती है, लेकिन फिर भी वे लापरवाही करते है और फिजूलखर्ची में भी पीछे नहीं हटते। इंदौर में गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो ट्रैक का काम पूरा हो चुका है। सिविल वर्क पूरा होने के बाद शेड हटे तो नगर निगम ने ट्रेक के नीचे डिवाइडर बनाने में हड़बड़ी की और उनके गैप में मिट्टी भी भर दी गई। न क्रास पाइप डाले गए और न ही ट्रैक के ऊपरी हिस्से के वर्षाजल के पाइप की निकासी की व्यवस्था की गई। इसके बाद अब आगे वाले हिस्से में डिवाइडरों की डिजाइन बदली गई और जहां पूरे डिवाइडर बन चुके है। वहां पर भी तोड़कर नई डिजाइन के हिसाब से डिवाइडर बनाए जा रहे है। इसमे तीन से चार फीट की गैप भी रखी जा रही है। डेढ़ माह पहले एक दिन में हुई पांच इंच बारिश के दौरान विजय नगर चौराहे पर जलजमाव हो गया था। इस कारण दो से तीन घंटों तक ट्रैफिक बाधित रहा। दरअसल यहां पहले रोटरी थी। जिसे मेट्रो ट्रैक के कारण हटाया गया। यहां नगर निगम ने डिवाइडर बना दिए थे। इस कारण एक तरफ की सड़क का पानी दूसरी तरफ नहीं जा पाया और एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। इसके अलावा मेट्रो ट्रैक पर जमा बारिश के पानी की निकासी के लिए भी जो पाइप नीचे तक आए। उससे आने वाले पानी की निकासी के लिए डिवाइडरों पर कोई इंतजाम नहीं किया गया था। यह गलती समझ आने के बाद अब तोड़कर नए सिरे से डिवाइडर बनाने के काम जारी है।

इंदौर में दीपावली की तारीख को लेकर काशी के विद्वान सहमत नहीं

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। दीपावली की तारीख को लेकर संशय की स्थिति बरकरार है। दरअसल काशी के विद्वानों का कहना है कि 31 अक्टूबर को पूरे देश में दीपोत्सव का त्योहार मनाया जाएगा। वहीं इंदौर के धार्मिक मामलों के विद्वानों ने 31 अक्टूबर के बजाय 1 नवंबर को दीपावली का उत्सव मनाने का फैसला किया है। विद्वानों के अलग-अलग मत से उत्सव की तारीख को लेकर चल रहा संशय और गहरा गया है। काशी विद्वत कर्मकांड परिषद ने 31 अक्टूबर को दीपावली मनाने का फैसला किया है।

यह फंसा हुआ है पेंच

काशी विद्वत कर्मकांड परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य अशोक द्विवेदी का कहना है कि 31 अक्टूबर को शाम 3.52 बजे अमावस्या की शुरुआत होगी, जो कि 1 नवंबर की शाम को 5.13 बजे तक रहेगी। इसके बाद

प्रतिपदा लग जाएगी और प्रतिपदा में दीपावली पूजन का विधान नहीं है। 31 अक्टूबर को रात्रिव्यापिनी अमावस्या होने के कारण ही दीपोत्सव और कालीपूजा का शुभ मुहूर्त बन रहा है। काशी के विद्वानों के मुताबिक 29 अक्टूबर को धनतेरस का पूजन होगा। 30 अक्टूबर को हनुमान जन्मोत्सव और नरक चतुर्दशी मनाई जाएगी। विद्वानों का कहना है कि काशी के सभी पंचांगों के मुताबिक पूरे देश में 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाई जाएगी।

इंदौर के विद्वानों का मत अलग

काशी के विद्वान जहां 31 अक्टूबर को दीपावली मनाने की बात कह रहे हैं, वहीं इंदौर के संस्कृत महाविद्यालयों के विद्वानों का मत इससे अलग है। विद्वानों की बैठक में 31 अक्टूबर के बजाय 1 नवंबर को दीपावली मनाने का फैसला हुआ है। मध्यप्रदेश ज्योतिष और विद्वत परिषद ने विद्वानों की बैठक बुलाई गई थी।

बैठक में विद्वानों ने कहा था कि जब दो दिन त्योहार की स्थिति बनती है तो दूसरा दिन ग्रहण करने की बात धर्म शास्त्रों में कही गई है। अमावस्या पितरों की तिथि है। पितरों के पूजन के बाद शाम में लक्ष्मी पूजन किया जाए, लेकिन लक्ष्मी पूजन के बाद पितरों का पूजन शास्त्रों के अनुसार नहीं है।

खेलो एमपी यूथ गेम्स का रोमांच 13 दिसंबर से

चार चरणों में होगा आयोजन, विकासखंड स्तर से होगी शुरुआत

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मप्र में खेलो खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खेलो एमपी यूथ गेम्स 2024 की तैयारियों के संबंध में टीटी नगर स्टेडियम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि खेलों एमपी यूथ गेम्स 2024 के माध्यम से हमारे प्रदेश के हर खेल में प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार हो सके इसके लिये समीति चयन प्रक्रिया तैयार करें। वहीं स्कूल शिक्षा व जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के साथ भी समन्वय किया जाये। उन्होंने खेलो एमपी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश की टीमों में प्राथमिकता देने के भी निर्देश दिये।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि प्रदेश में 13 दिसंबर से खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन चार चरणों में किया जा रहा है। विकासखंड स्तर से इन खेल की शुरूआत होगी, जिसमें जिला, संभाग और फिर राज्य स्तर पर जाकर खिलाड़ी अपना प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर 313 विकासखंड, संभाग स्तर पर 55 जिले, राज्य स्तर पर प्रदेश के 8 संभाग भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन, शहडोल की टीमों की सहभागिता होगी। वहीं प्रदेश के 7 शहरों में राज्य स्तरीय आयोजन किये जायेंगे।

प्रदेश में माहौल खेलमय हो जाएगा

मंत्री सारंग ने बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स में एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, मलखम्ब, तैराकी, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, टेबल-टैनिस, योगासन, व्हालीबॉल, टेनिस, क्रिकेट, शतरंज, ताईक्कांडो, फैंसिंग, रोईंग, कयाकिंग-कैनोइंग, शूटिंग एवं आर्चरी शामिल हैं। इसके अलावा कराते को भी शामिल किया जा सकता है। खेलमंत्री ने कहा कि इस पर विचार किया जा रहा है।

कमल चावला को किया सम्मानित

बैठक से पहले मंत्री श्री सारंग ने प्रदेश के स्नूकर खिलाड़ी श्री कमल चावला से भेंट कर विश्व सिक्स रेड स्नूकर चैम्पियनशिप जीतने पर बधाई प्रेषित करते हुए उन्हें सम्मानित किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि श्री चावला की यह उपलब्धि अनेक युवाओं के लिये प्रेरणा है। उन्होंने कठिन मुकाबले में पाकिस्तान के पूर्व प्रोफेशनल खिलाड़ी को टक्कर देते हुए यह खिताब अपने नाम किया है, जिससे आज पूरा देश व प्रदेश गौरवांवित हुआ है। उल्लेखनीय है कि श्री कमल चावला एशियन टीम स्नूकर, वर्ल्ड मास्टर स्नूकर सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष के साथ 27 विधायक पहुंचे मुख्यमंत्री से मिलने, अपनी विधानसभा क्षेत्र के लिए फंड मांगने पर सीएम ने दिया आश्वासन

5 वर्ष के विकास का रोडमेप बनाएं विधायक, मदद करेगी सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश के 27 विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। कांग्रेस विधायक अपनी विधानसभा के विकास कार्यों के लिए फंड नहीं मिलने की शिकायत लेकर पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी विधायकों को सुना और कहा कि अपनी विधानसभा क्षेत्र का विजन डॉक्यूमेंट बनाएं, सरकार पूरी मदद करेगी। पांच वर्ष के विकास का रोडमेप तैयार करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक की समस्याओं को सुना और मुझे उम्मीद है कि सकारात्मक विपक्ष प्रदेश के लिए भी बेहतर काम करेगा। मुख्यमंत्री और कांग्रेस विधायकों के बीच दूसरे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराध को लेकर अपनी रखी। उन्होंने सीएम से मुलाकात के बाद बातचीत में कांग्रेस विधायकों के साथ भेदभाव का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को निष्पक्ष होकर सबके विकास कार्यों को प्राथमिकता देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि धान के 3100 रुपए और गेहूं 2700 रुपए समर्थन मूल्य पर खरीदेंगे। यह मुद्दा हम लगातार उठा रहे हैं। अतिवृष्टि से फसल को नुकसान हुआ है। इसका तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा देना चाहिए।

दूध उत्पादन में भी देश का नंबर वन राज्य बने मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायकों से मुलाकात के बाद कहा कि सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में भी विधायकों से परस्पर चर्चा की है। खासकर पहले हमने अपनी फसलों के सर्वे का फैसला किया। जिसके लिए हमने जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया कि अगर फसल खराब हुई है तो उसका निराकरण करें। गौशालाओं के लिए उनकी व्यवस्था अच्छी बनी रहे, उसका अनुदान बढ़ाने के लिए नगरीय क्षेत्र में इन्दौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर बड़ी-बड़ी नगर निगमों में गौशाला बनाने और गौ धन को बढ़ावा देने के साथ ही दूध पर बोनस और दूध उत्पादन में भी मध्यप्रदेश देश का नंबर राज्य बने। राज्य परिसीमन आयोग भी बनाया है। जिला संभाग, तहसीलों को अपनी सीमाएं बदलने के लिए सभी प्रकार के सुझाव भी लेंगे। विकास के मामलों में भी सरकार द्वारा किए गए कार्यों से उन्हें अवगत कराया गया है।

प्रदेश में यौन शोषण के बढ़ते मामलों को लेकर कांग्रेस चलाएगी अभियान

प्रदेश में बच्चियों और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर कांग्रेस अभियान चलाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि पांच अक्टूबर को युवा कांग्रेस मशाल जुलूस निकालेगी। छह अक्टूबर को ब्लाक स्तर पर होगा उपवास और कन्याओं का पूजन होगा। सात अक्टूबर को महिला कांग्रेस पूरे प्रदेश में एक साथ कैंडल मार्च करेगी। पार्टी कार्यकर्ता विधायकों को बेटी बचाओ अभियान से जुड़ने की अपील करेंगे। 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री से पार्टी का प्रतिनिमंडल मिलकर कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर ज्ञापन देगा।

नाबालिग से घर घुसकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। बैरसिया में एक 22 वर्षीय युवक ने 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे रहा था।

घटना एक दिन पुरानी है, आरोपी उसे धमकाकर परेशान कर रहा था। तंग आकर उसने परिजन को घटना दी। वे उसे लेकर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बैरसिया थानाप्रभारी अरूण शर्मा ने बताया कि नाबालिग कालेज छात्रा है, उआरोपी राहुल मीणा का नाबालिग के घर पर आना जाना था। 30 जुलाई की दोपहर जब राहुल मीणा लड़की के घर पर पहुंचा तो वह अकेली थी, इसका फायदा उठाकर उसने नाबालिग से दुष्कर्म कर उसे जान से मारने की धमकी दी, इसके बाद से आरोपी उसे परेशान कर धमका रहा था और उससे दोबारा से घटना करने की धमकी दे रहा था। तंग आकर नाबालिग आरोपी की करतूत अपने घर वालों को बता दी,बाद में लड़की के स्वजनों ने 29 सितंबर को बैरसिया थाना पुलिस में शिकायत की, इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पहले दिन पहुंचे 5 हजार पर्यटक, कुछ दिनों तक बुकिंग फुल

एमपी में पर्यटकों के लिए खुले सभी टाइगर रिजर्व

सिटी चीफ भोपाल।
प्रदेश के सभी छह टाइगर रिजर्व के गेट एक अक्टूबर से पर्यटकों के लिए खोल दिए गए। तीन महीने बाद टाइगर रिजर्व के गेट खुलने पर बड़ी संख्या में पर्यटक पार्क में बाघों के दीदार के लिए पहुंचे। सभी टाइगर रिजर्व में 3-4 दिन के लिए वाहनों की बुकिंग लगभग फुल हो चुकी है। पहले दिन प्रदेश के छह टाइगर रिजर्व के कोर जोन में 490 जिप्सियों से करीब 5 हजार पर्यटकों ने बाघों का दीदार किया है।

इस बार जिप्सियों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ पर्यटकों की संख्या भी और बढ़ने का अनुमान है। कोर जोन में बुकिंग न मिलने पर बफर जोन में लगभग 500 पर्यटक पर्यटन कर सकते हैं। प्रदेश के टाइगर रिजर्व में पहले दिन से ही सभी जिप्सिंयां पर्यटकों से फुल रहीं। टाइगर रिजर्व क्षेत्र के रिजॉर्ट में पर्यटकों की बुकिंग को देखते हुए अगल कुछ दिनों तक बुकिंग फुल है।

अशोका गार्डन क्षेत्र में दो कारोबारियों के यहां खाद्य विभाग ने दी दबिश, 26 घरेलू सिलेंडर जब्त

गैस चूल्हा सुधारने की आड़ में कर रहे थे रिफिलिंग

भोपाल। खाद्य विभाग की टीम ने अशोका गार्डन क्षेत्र में दो कारोबारियों के यहां दबिश देकर 26 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। यहां गैस चूल्हा सुधारने की आड़ में गैस की रिफिलिंग की जा रही थी। दोनों स्थानों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग करते हुए अवैध रिफिलिंग स्टेशन संचालित किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर खाद्य विभाग की टीम ने दुकानों पर पहुंचकर औचक छापामार कार्रवाई कीं। जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद राजपूत के निर्देश पर अवैध गैस रिफिलिंग, सिलेंडरों का दुरुपयोग करने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। कारोबारियों के खिलाफ पंचनामा बनाकर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। अशोका गार्डन क्षेत्र में स्थित ऋषि इंटरप्राइजेस का संचालक लगातार घरेलू, व्यवसायिक सिलेंडरों से अवैध रिफिलिंग का काम कर रहा है। खाद्य विभाग की टीम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए एक घरेलू गैस सिलेंडर, एक व्यवसायिक सिलेंडर और सात खाली सिलेंडर सहित पांच गैस अंतरण यंत्र बरामद किए हैं। जबकि इसी महीने छह सितंबर को टीम ने कार्रवाई करते हुए 16 गैस सिलेंडर और अंतरण यंत्र बरामद किए थे। इससे पहले भी कार्रवाई करते हुए 100 से अधिक सिलेंडर बरामद किए गए थे। अशोका गार्डन में प्रीति होम एप्लाइंसेस के यहां टीम ने कार्रवाई करते हुए 13 घरेलू गैस सिलेंडर, एक तौल कांटा, दो गैस अंतरण यंत्र जब्त किए हैं। सिलेंडर में 10 भरे, एक आंशिक भरा, दो खाली, पांच किलोग्राम के अमानक स्तर के सात खाली, पांच किलोग्राम के व्यवसायिक गैस सिलेंडर आंशिक भरे और तीन किलोग्राम अमानक स्तर के दो खाली सिलेंडर शामिल हैं।

आय से अधिक संपत्ति रखने का मामला, परिवार के पांच अन्य सदस्यों को भी कोर्ट ने सुनाई सजा

एसबीआई के पूर्व सहायक महाप्रबंधक को तीन साल की जेल

सिटी चीफ भोपाल।
सीबीआई की विशेष अदालत ने एसबीआई के पूर्व सहायक महाप्रबंधक जितेंद्र प्रताप सिंह और उनके परिवार के पांच अन्य सदस्यों को आय से अधिक संपत्ति के मामले में तीन साल की कठोर कैद और 33,47,250 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला 2005 से लंबित था, जिसमें सीबीआई ने जांच के बाद आरोपियों पर भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति का आरोप लगाया।

सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार शर्मा ने सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व सहायक महाप्रबंधक जितेंद्र प्रताप सिंह और उनके परिवार के पांच अन्य सदस्यों को आय से अधिक संपत्ति रखने के मामले में तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने सिंह पर 3,47,250 रुपये का जुर्माना भी लगाया। सीबीआई ने 30 जून 2005 को जितेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने 1 जनवरी 1999 से 2 अप्रैल 2005 के बीच अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर लगभग 19,17,684 रुपये की संपत्ति अर्जित की, जो उनकी ज्ञात आय के स्त्रोतों से अधिक थी।

भोपाल और बिलासपुर में की गई थी छापेमारी

जांच के दौरान भोपाल और बिलासपुर में सिंह के आवासीय परिसरों पर छापेमारी की गई, जिसमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज, आभूषण और नकदी जब्त किए गए।

जांच पूरी होने के बाद 24 अगस्त 2007 को सिंह और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया। आरोप था कि जितेंद्र प्रताप सिंह ने विभिन्न स्थानों पर एसबीआई में सहायक महाप्रबंधक के रूप में काम करते हुए 37,13,113.95 रुपये की संपत्ति अर्जित की, जो उनकी आय के स्त्रोतों से 143त्र अधिक थी। सिंह इस संपत्ति का संतोषजनक विवरण प्रस्तुत नहीं कर सके। विशेष अदालत ने 27 फरवरी 2008 को जितेंद्र प्रताप सिंह और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 की धारा 13(2) और 13(1)(ई) के तहत आरोप तय किए। केस के दौरान सीबीआई ने 94 गवाहों के बयानों और पुख्ता सबूतों के माध्यम से अभियोजन पक्ष का मजबूत पक्ष प्रस्तुत किया, जिसके परिणामस्वरूप सभी आरोपियों को दोषी करार दिया गया। विशेष न्यायाधीश ने जितेंद्र प्रताप सिंह के अलावा उनके परिवार के सदस्यों-किरण सिंह, नम्रता सिंह, गरिमा सिंह, अन्वेशा सिंह और समीर सिंह को भी एक साल की कठोर कैद और 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

सम्पादकीय

गांधी के जीवन और नैतिक मूल्यों पर विचार करने का दिन

आज महात्मा गांधी की 155वीं जयंती है। यह दिन हमें महात्मा गांधी के जीवन, उपलब्धियों और नैतिक मूल्यों पर विचार करने का मौका देता है। मोहनदास करमचंद गांधी ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष में एक प्रमुख खिलाड़ी थे। उन्होंने सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में काम किया, जहां उन्होंने नस्लीय अन्याय के खिलाफ अभियान चलाया। यहीं से सत्याग्रह के नाम से जानी जाने वाली उनकी अहिंसक प्रतिरोध अवधारणा ने आकार लेना शुरू किया।

आज महात्मा गांधी की 155वीं जयंती है। यह दिन हमें महात्मा गांधी के जीवन, उपलब्धियों और नैतिक मूल्यों पर विचार करने का मौका देता है। मोहनदास करमचंद गांधी ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष में एक प्रमुख खिलाड़ी थे। उन्होंने सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका में काम किया, जहां उन्होंने नस्लीय अन्याय के खिलाफ अभियान चलाया। यहीं से सत्याग्रह के नाम से जानी जाने वाली उनकी अहिंसक प्रतिरोध अवधारणा ने आकार लेना शुरू किया। गांधी के अहिंसक प्रतिरोध सिद्धांत, नमक मार्च और अंग्रेजों के साथ असहयोग की मांग ने लाखों लोगों को हिंसा का सहारा लिए बिना स्वतंत्रता की लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। गांधी और उनके अनुयायियों के कार्यों ने भारत की स्वतंत्रता में योगदान दिया। गांधी जयंती इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वास्तविकता, अहिंसा और शांति के महत्व पर जोर देती है। गांधी का संदेश आज भी लागू होता है क्योंकि विभिन्न प्रकार के संघर्ष उठते हैं और उनकी शिक्षाएं संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान करती हैं। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके महत्व पर जोर देने के लिए, इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी जाना जाता है। भारत की स्वतंत्रता के लिए महात्मा गांधी की उपलब्धियों का सम्मान करने के अलावा, हम गांधी जयंती मनाकर उनके आदर्शों को बनाए रखने का भी संकल्प लेते हैं। गांधी की शिक्षाएं अकसर कंपनियों, समुदायों, विद्यालयों, कॉलेजों के माध्यम से आयोजित वार्तालापों और गतिविधियों का विषय होती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहे। गांधीजी का जीवन सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनका प्रसिद्ध उद्धरण है, 'सत्य से बड़ा कुछ नहीं है।' यह एक साधारण सा वाक्य है, लेकिन इसका अर्थ अत्यंत गहरा है। वे मानते थे कि जब हम सच्चाई के साथ जीते हैं, तो हमें किसी भी प्रकार की बुराई का सामना करने की ताकत मिलती है। उन्होंने अहिंसा को न केवल एक नीति के रूप में अपनाया, बल्कि इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया। अहिंसा सबसे बड़ी शक्ति है। यह उनका विश्वास था कि प्रेम और सहानुभूति के साथ सभी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। गांधीजी ने आत्म-निर्भरता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा- आपको वह करना होगा जो आपके पास है। इसका मतलब है कि हमें अपनी सीमाओं के भीतर रहकर ही अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया कि वे अपने देश के उत्पादों का उपयोग करें और विदेशी सामान से बचें। यह न केवल आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में एक कदम था, बल्कि लोगों में आत्मविश्वास बढ़ाने का भी प्रयास था। गांधीजी का जीवन सेवा के सिद्धांत पर आधारित था। उनका कहना था कि सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशीलता दिखाई। उनकी प्रेरणा थी कि हम दूसरों की मदद करें और उनके लिए खड़े हों, चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों। यह सोच हमें न केवल एक बेहतर इंसान बनाती है, बल्कि समाज को भी एक सकारात्मक दिशा में ले जाती है। गांधीजी ने शिक्षा के महत्व को समझा। उन्होंने कहा, शिक्षा का उद्देश्य चरित्र का निर्माण करना है। उनका मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा उपकरण है जो हमें नैतिकता, आत्म-नियंत्रण और सामाजिक जिम्मेदारी सिखाता है। उन्होंने हमेशा लोगों को जागरूक किया कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के उत्थान के लिए करें। गांधीजी का एक और महत्वपूर्ण उद्धरण है, 'आपको वह करना है जो सही है, भले ही परिणाम आपकी उम्मीद के खिलाफ हों।' यह विचार हमें सिखाता है कि हमें हमेशा सही कार्य करना चाहिए, भले ही इसके परिणाम हमारे पक्ष में न हों। यह सकारात्मकता और आशा का संदेश देता है, जो हमें कठिनाइयों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। गांधीजी के जीवन के शुरुआती अनुभवों ने उन्हें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उनकी शिक्षाएं आज भी हमें सच्चाई, अहिंसा और मानवता की ओर प्रेरित करती हैं। उनकी बातें एक गहरी समझ और दृष्टि से भरी हैं। जाहिर है उनके द्वारा कहे गए शब्द हमें अपने विचारों और कार्यों के प्रति जागरूक करते हैं। सबसे पहले, महात्मा गांधी एक उल्लेखनीय सार्वजनिक व्यक्ति थे। सामाजिक और राजनीतिक सुधार में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। सबसे बढ़कर, उन्होंने समाज को सामाजिक बुराइयों से मुक्त किया। इसलिए, उनके प्रयासों से कई उत्पीड़ित लोगों को बड़ी राहत मिली। इन प्रयासों के कारण गांधी एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय व्यक्ति बन गए। महात्मा गांधी ने पर्यावरण स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जरूरत के हिसाब से उपभोग करना चाहिए।

महात्मा गांधी का स्त्री समर्थक पक्ष...

महात्मा गांधी का देश और दुनिया के इतिहास पर कितना असर पड़ा, इस बारे में अकसर बात होती है लेकिन महिलाओं की जिंदगी उन्होंने कैसे बदली, इसकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। बापू ने आजादी के आंदोलन में अपने-अपने क्षेत्र की महान महिला हस्तियों और आम महिलाओं को साथ जोड़ा। बिहार के गया जिले में 1922 में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। तब कांग्रेस के अधिवेशनों में गिनती की महिलाएं आती थीं। उनके बैठने का इंतजाम अलग रहता था। महिला और पुरुष डेलिगेट्स के बीच एक पर्दा रहता था जो मंच की तरफ खुला होता था। अधिवेशन के पहले दिन तो यह पर्दा बार-बार इधर से उधर झूलता रहा और दूसरे दिन महिलाओं ने उसे खुद नोंचकर फेंक दिया कि हमें अब इसकी जरूरत नहीं है। यह मात्र 4-5 साल में हुआ जादू था।

अरविंद मोहन

महात्मा गांधी का देश और दुनिया के इतिहास पर कितना असर पड़ा, इस बारे में अकसर बात होती है लेकिन महिलाओं की जिंदगी उन्होंने कैसे बदली, इसकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। बापू ने आजादी के आंदोलन में अपने-अपने क्षेत्र की महान महिला हस्तियों और आम महिलाओं को साथ जोड़ा। साल 1917-18 की बात है। लेखक राजेंद्र प्रसाद ने 'चंपारण में महात्मा गांधी' किताब में लिखा है कि मोतिहारी पहुंचने के अगले ही दिन गांधी अपने दो सहयोगियों के साथ उस जसौली पट्टी गांव में जा रहे थे, जहां से 2-3 दिन पहले ही नील की खेती कराने वाले अंग्रेज के जुल्म की एक घटना की खबर मिली थी। सुबह का वक्त होने से रास्ते में जगह-जगह ऐसी महिलाएं दिखीं जो शौच वगैरह के लिए निकली थीं। किसी को आते देखकर वे मुंह छिपाकर खड़ी हो जाती थीं। उस दौरान गांधी बातचीत के दौरान कह रहे थे कि महिलाओं को पर्दे से बाहर लाए बगैर मुल्क का कोई काम नहीं हो सकता। जब किसी ने टोका तो यह भी कहा कि पश्चिम के विकास में महिलाओं की भागीदारी अहम है। लेकिन हमें यूरोप की महिलाओं की तरह बेपर्दगी भी नहीं चाहिए।

बिहार के गया जिले में 1922 में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। तब कांग्रेस के अधिवेशनों में गिनती की महिलाएं आती थीं। उनके बैठने का इंतजाम अलग रहता था। महिला और पुरुष डेलिगेट्स के बीच एक पर्दा रहता था जो मंच की तरफ खुला होता था। अधिवेशन के पहले दिन तो यह पर्दा बार-बार इधर से उधर झूलता रहा और दूसरे दिन महिलाओं ने उसे खुद नोंचकर फेंक दिया कि हमें अब इसकी जरूरत नहीं है। यह मात्र 4-5 साल में हुआ जादू था। इन्हीं 5 बरसों में सिर्फ चंपारण सत्याग्रह, अहमदाबाद मिल मजदूर आंदोलन और खेड़ा आंदोलन ही नहीं हुए बल्कि बिहार और पूरा मुल्क असहयोग आंदोलन से गुजरा था, जिसमें चरखा चलाना और विदेशी वस्त्रों व शराब की दुकानों पर महिलाओं का धरना खास कार्यक्रम थे। इतिहासकार बताते हैं कि गांधी ने महिलाओं को विदेशी शराब की दुकान के सामने धरने पर बिठाकर उनसे कम महत्व का काम लिया। लेकिन इससे महिलाओं की हिस्सेदारी की शुरुआत हुई। शराब की दुकान पर धरना आज भी कितना मुश्किल है? कल्पना करके देखिए तो 100 साल पहले का दृश्य ज्यादा अच्छी तरह समझ आएगा। तब महिलाएं धरने पर ही नहीं बैठीं बल्कि शराब की नीलामी और ठेके के बंटवारे के खिलाफ भी आगे आईं। फिर शराबबंदी आंदोलन की अगुआई की। मुंबई और दिल्ली के शराब व्यापारियों के मन में नौरोजी बहनों और सत्यवती बहन जैसों का खौफ था। ये लड़कियां गांधी के कहने पर आगे बढ़ीं, उनका ही आदेश माना।

गांधी ने महिलाओं और लड़कियों से खूब चरखा चलवाया, तकली भी चलवाई। जब विदेश से आई मीरा बहन का मन दूसरे कामों की तुलना में गाय पालन में ज्यादा दिखा तो उन्हें वही जिम्मा दिया गया। जब मुंबई के बड़े उद्योगपति परिवार की मिठुबेन पेटिट को आदिवासियों के बीच काम करना पसंद आया तो उन्हें आदिवासी बहुल मारोली, गुजरात में जमकर काम करने को कहा।

चंपारण सत्याग्रह के दिनों से आंख मूंदकर गांधी के हर आदेश को मानने वाली अवंतिकाबाई गोखले को उन्होंने हर मुश्किल मोर्चे पर लगाया। साइमन गो बैक वाले दौर में पुलिस-प्रशासन की भारी सख्ती के बीच हुए कोलकाता अधिवेशन के लिए हजारों लोगों को जुटाने वाली नेली सेनगुप्त को उन्होंने तब कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया, जब नामित अध्यक्ष मदनमोहन मालवीय को कोलकाता पहुंचने से पहले गिरफ्तार कर लिया गया था। अपने पहले बड़े आंदोलन में उन्होंने बुजुर्ग बी. अम्मा (अबादी बानो बेगम) की सेवाएं जिस तरह लीं और उसका जितना जबरदस्त फायदा हुआ, वह हैरान करता है।

महात्मा गांधी के आंदोलन से तैयार महिलाओं में एक से बढ़कर एक महिलावादी भी हुईं। अपने यहां कमलादेवी चट्टोपाध्याय से बड़ा नारीवादी शायद ही कोई हुआ हो। जीवनभर सिर से पल्लू न नीचे आने देने वाली महादेवी वर्मा से ज्यादा प्रबल नारीवादी हमारी हिंदी पट्टी में भी न मिलेगा। निजी जीवन में बहुत तकलीफें और मुश्किलें उठाने वाली कमला के बारे में तो यह कहा जाने लगा है कि उन्हें मुल्क के सबसे बड़े पद समेत कोई भी जिम्मेदारी दी जाती तो वे बहुत अच्छा प्रदर्शन करतीं। अपने समय से आगे होकर किए अपने कामों में वे इतनी ही सफल रहीं भी।

गांधी द्वारा तैयार नेताओं में मीरा बहन, मृदुला साराभाई, सत्यवती बहन, सुशीला नैयर, सुचेता कृपलानी, राजकुमारी अमृत कौर, बी. बी. अम्तुस्सलाम, मालती देवी चौधरी, चारों नौरोजी बहनें, अरुणा आसफ अली, प्रेमा कंटक, दुर्गाबाई देशमुख, अवंतिकाबाई गोखले, सुभद्रा जोशी, सरला देवी, प्रभावती जैसी न जाने कितनी ही महिलाएं और लड़कियां होड़ करती दिखेंगी। इनमें किसी को गांधी तूफानी कहते थे तो किसी को 'इडियट'। किसी को शेरनी मानते थे तो किसी को पगली। मेरठ के शाहजहांपुर गांव में दंगाइयों की उग्र भीड़ को गुजराती बाला मृदुला साराभाई ने पेड़ पर चढ़कर डांटते हुए करीब एक घंटे तक रोके रखा और वापस जाने को मजबूर किया तो काफी सारे चश्मदीदों को वह सचमुच में चंडी का अवतार लगीं। देश के सबसे बड़े उद्योगपति परिवार की इस लड़की को किसी ने कभी गहने पहने हुए और शृंगार किए हुए नहीं देखा। भारत और पाकिस्तान के शासकों के यहां सीधी एंट्री करने वाली इस लड़की ने अपने दिलेर साथियों के साथ दंगाइयों द्वारा रेप और जबरन शादी का शिकार बनाई गई 38,000 महिलाओं को उनके कब्जे वाली जगहों पर जाकर छुड़ाया। इस काम में खुर्शीद नौरोजी, सुभद्रा जोशी और सबसे बढ़कर रामेश्वरी नेहरू का भी साथ था।

गांधी की मनाही के बावजूद बहन सत्यवती अपने 11 दिन के बेटे को लेकर नमक सत्याग्रह के समय जेल गईं। वहां वे टीबी का शिकार हुईं। उनके भाषण बिजली-सी कौंधा देते थे। अरुणा आसफअली जैसी लड़कियां, उनके प्रभाव से ही राजनीति में आईं। सुशीला नैयर बचपन से गांधी के साए में रहीं। वह कस्तूरबा की दुलारी भी थीं। लेकिन गांधी की ही कोई बात पसंद न आए तो वह बहस और पत्राचार में गांधी के पसीने छुड़ा देती हैं। उन्होंने गांधी के रहते और बाद में भी बहुत काम किया, खासकर स्वास्थ्य के क्षेत्र में।

मालती देवी का काम और भी तूफानी था। जब उनके पति ओडिशा के मुख्यमंत्री बने तब भी वे आदिवासियों के जुलूस का नेतृत्व करते हुए उनके यहां धावा बोलने पहुंचीं। लाठीचार्ज और आंसूगैस के बाद गोली चलाने को तैयार पुलिस वाले मुख्यमंत्री की पत्नी को देखकर सकपका गए। उनका ज्यादातर काम आदिवासियों के बीच रहा। सूदखोर महाजन उनके निशाने पर लगातार रहे। लाखों आदिवासियों के अलावा मशहूर नक्सली नेता नागभूषण पटनायक भी उन्हें मां मानते थे। सबसे बड़े और कठोर रजवाड़ों में गिने जाने वाले त्रावणकोर में वहां के शासन को चुनौती देकर बड़ा सत्याग्रह आंदोलन खड़ा करने वाली टीचर अकम्मा चेरियन भी जीवनभर संघर्ष करने वाली महिला नेताओं में एक थीं। हैरानी की बात यह है कि गांधी पर सबसे ज्यादा लिखने वाले इतिहासकारों और गांधीवादियों ने भी उनके आंदोलन में जादू की तरह बढ़ी औरतों की भागीदारी और नेतृत्व की चर्चा नहीं की है। खुद गांधी के पौत्र और बड़े लेखक राजमोहन गांधी सरला देवी चौधरानी से उनके संबंधों को जिस तरह पेश करते हैं, उससे सनसनी ही ज्यादा फैली। गांधी का स्त्री समर्थक पक्ष कम उजागर हुआ। तथ्य यह है कि ज्यादातर पत्रों में गांधी उन्हें बहन के संबोधन से शुरुआत करते हैं। गांधी द्वारा तैयार की गई महिला नेतृत्व की यह फौज बहुत बड़ी है। इन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन, गांधी के रचनात्मक कामों, बंटवारे और सांप्रदायिक दंगों से आई नई मुश्किलों को संभालने में ज्यादा बड़ी भूमिका निभानी शुरू की। नोआखाली हो, दिल्ली हो या फिर बिहार, सांप्रदायिक शांति के लिए जूझते गांधी के आसपास और दंगे का शिकार लोगों के बीच ऐक्टिव कार्यकर्ताओं में महिलाओं का हिस्सा काफी बड़ा है। गांधी ने सरकार और राजनीति में जिन महिलाओं को भेजा या जाने की इजाजत दी, उनका योगदान भी काफी बड़ा है। लेकिन ज्यादा महिलाओं ने रचनात्मक कामों का चुनाव किया या गांधी ने उनका रुझान देखकर ऐसी सलाह दी। गांधी की ओर से तैयार इन महिलाओं में पुरुषों की तुलना में भ्रष्ट होने या सत्ता के मद में गलती करने वाली महिलाओं की संख्या काफी कम है। उनका निजी जीवन भी ज्यादा त्याग और तपस्या का है। शिक्षा कम होने और पिता की संपत्ति में हिस्सा न होने से उन्हें बाद का जीवन जीने में ज्यादा मुश्किलें भी हुईं। कई ने शादी नहीं की थी तो कई ने शादी के बाद बच्चे पैदा नहीं करने का फैसला किया। घर की दहलीज से बाहर आने पर उन पर चरित्र का दोष लगाने वाले भी बहुत निकले। पर उन्होंने इन सबकी परवाह नहीं की।

अचानक महिलाओं की इतनी ज्यादा हिस्सेदारी और इतनी सारी महिला नेताओं का पैदा होना सिर्फ संयोग नहीं हो सकता। जिस तेजी से महिलाओं की नेतृत्व में हिस्सेदारी बढ़ी, वह अहम है। वरना बहुत कम समय में ही यह नौबत आ गई थी कि गांधी और महिलाओं की बैठक से पहले पति और घर के पुरुष अपनी पत्नियों/माताओं/बहनों के गहने उतरवा लेते थे कि पता नहीं गांधी कब झोली फैला दें और महिलाएं अपने सब गहने और कैश उनके हवाले कर दें।

उन्होंने नमक सत्याग्रह के दौरान बीमार और बूढ़ी महिलाओं को गिरफ्तारी न देने के लिए कहा। इसके बावजूद आंदोलन में 20,000 महिलाएं जेल गईं। दुनिया के अब तक के इतिहास में किसी क्रांति, किसी अपराध, किसी आंदोलन में एक साथ इतनी महिलाएं जेल नहीं गई हैं। 1942 के आंदोलन और बंटवारे के दौरान हुए दंगों व मारकाट के बीच शांति प्रयासों में उनका जादू बढ़ा हुआ दिखता है।

दंगों और बंटवारे का शिकार हुई महिलाओं को रेप करने वालों या जबरन शादी वाले घरों से छुड़ाने, उनके जन्मे-अजन्मे बच्चों का ख्याल रखने, उनको फिर से बसने का इंतजाम करने में ज्यादातर ऐसी लड़कियां और महिलाएं ही आगे रहीं। आजादी की लड़ाई का अंत आते-आते महिलाओं की भागीदारी इतनी बढ़ी कि गोडसे की गोली के बाद अगर गांधी गिरे भी तो आभा ने उनको थामा, मनु ने संभाला। गांधी ने 30 साल में यह बदलाव बिना किसी घोषणा, दावे और दिखावे वाले कार्यक्रम और बिना किसी महिलावादी रंग के किया।

गांधी द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण उसी भारतीय समाज में हुआ, जहां महिला को पर्दे में रखा जाता था। जहां महिला के लिए पति, जेठ, ससुर का ही नहीं जेठ संतान का नाम लेना भी गुनाह माना जाता था। इससे भी बढ़कर समाज में यह माना जाता था कि हर महीने महिला एक खास वक्त के लिए अपवित्र हो जाती है। लगभग सारी महिलाएं सुबह या रात के अंधेरे में ही शौच आदि के लिए निकल सकती थीं क्योंकि घर के अंदर स्नानघर और शौचालय होते ही नहीं थे। उन्हें पढ़ाना अपराध माना जाता था। फैशन करना गलती मानी जाती थी। पति नहीं रहा या उसने छोड़ दिया तो महिला का जीवन नर्क बन जाता था। गांधी ने ऐसी स्थिति में किस तरह यह काम किया, पूरे समाज की स्वीकृति हासिल की, लड़कियों और महिलाओं में आगे निकालने का हौसला भरा, यह काम किसी जादूगरी से कम नहीं। गांधी के नेतृत्व वाले 30 बरसों में देश में महिला शक्ति का सबसे तेजी से विकास हुआ। यह सिर्फ कांग्रेस और राष्ट्रीय आंदोलन के अंदर ही नहीं दिखता, जीवन के सभी क्षेत्रों में दिखता है। संगीत, साहित्य, कला, राष्ट्र निर्माण के दूसरे सभी कामों में उनकी हिस्सेदारी से बहुत तेज बदलाव हुआ। बता दें कि गांधीजी की व्यक्तिगत छवि संत महात्मा की होने के कारण उनके नेतृत्व में शुरू हुए देशभक्ति आंदोलन की राजनीतिक और धार्मिक मिली-जुली छवि बनी। उसका क्षेत्र राजनीति से ऊपर उठकर धार्मिक हो गया। देशभक्ति को धर्म माना गया, देश को देवी मां की संज्ञा दी गई, जिसके लिए बड़े से बड़ा बलिदान कम ही था।

भू-कानून और उत्तराखण्ड : कितना होगा और प्रभावी ? राज्य को कैसे होगा फायदा ?

अब तक भू-कानून की मांग को लेकर मौन धारण करने वाले उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अगले बजट सत्र में राज्य के लिए एक सशक्त भू-कानून लाने की घोषणा कर ही दी। हिमालयी राज्यों में उत्तराखण्ड अकेला राज्य है जहां कठोर कानून के अभाव में जमीनों की खरीद फरोख्त सबसे आसान है।

उत्तराखण्ड में हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर गैर कृषकों द्वारा कृषि भूमि की खरीद फरोख्त पर रोक के लिए कानून अवश्य बना था लेकिन ऐसा कानून बनाने वाली राज्य की पहली निर्वाचित तिवारी सरकार ने ही उस कानून में धारा दो जोड़कर पहला छेद कर डाला था। सन् 2017 के बाद तो भूखोरों और भूमि व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए उस कानून में बार-बार संशोधन की कानून का केवल कंकाल ही बाकी छोड़ा गया था।भू-कानून का 2017 के बाद बना नया भूमि प्रबंधन कानून बनाने के लिए गठित पूर्व मुख्य सचिव सुभाष कुमार की अध्यक्षता वाली समिति अपनी रिपोर्ट 5 सितम्बर 2022 को सौंप चुकी थी लेकिन उस रिपोर्ट को ठण्डे बस्ते में डाल दिया गया था। इसलिए आम धारणा बनी कि जनता की ओर से उठ रही प्रचण्ड मांग के बावजूद लोगों की जमीनें भूमिखोरों से बचाने के लिए राज्य सरकार कठोर कानून बनाने से बच रही है।

दरअसल, यह धारणा इसलिए भी पुष्ट हुई कि नारायण दत्त तिवारी सरकार द्वारा कास्तकारों की जमीनें बचाने के लिए 1950 के अधिनियम में संशोधन कर जो कानून बनाया गया था उसमें भी भाजपा की ही त्रिवेन्द्र सिंह रावत सरकार ने 2018 में औद्योगीकरण के नाम पर उत्तराखंड (उत्तरप्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950)(अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) की धारा 154, 143 एवं 129 में संशोधन कर इस कानून को लगभग निष्प्रभावी ही बना दिया था। उसके बाद फिर उसी भूकानून की धारा 143 की उपधारा 'क' और 'ख' को हटाने से तिवारी द्वारा बनाए गए भू-कानून का जनाजा ही निकल गया था। इन धाराओं में प्रावधान था कि अगर उद्योग के लिये हासिल की गयी जमीन का 2 साल के अन्दर उसी प्रयोजन के लिये उपयोग नहीं किया गया तो कलक्टर धारा 167 के तहत उस जमीन को जब्त कर सरकार में निहित कर लेगा। अब मुख्यमंत्री धामी ने यह कहकर सशक्त भूकानून की आशा फिर जगा दी कि उत्तराखंड (उत्तरप्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) में 2017 के बाद किए गए संशोधनों के लक्ष्य हासिल नहीं हुए हैं। उस समय राज्य में 125 लाख करोड़ के पूंजी निवेश के इच्छापत्रों पर हस्ताक्षर हुए थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया कि संशोधनों से भूमि कानून में दी गई शिथिलता के बावजूद औद्योगिक निवेश का मकसद हल नहीं हुआ इसलिए उन संशोधनों पर पुनर्विचार किया जाएगा और जरूरी हुआ तो उन्हें हटा दिया जाएगा।

इन्हीं संशोधनों के खिलाफ उत्तराखण्ड में जहां तहां लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि सशक्त भू-कानून के लिए गठित सुभाष कुमार समिति की सिफारिशों की भी समीक्षा की जा रही है और सरकार अगले बजट सत्र में निश्चित रूप से एक सशक्त भूकानून को पास करा देगी।

सुभाष कुमार समिति ने हिमाचल प्रदेश कास्तकारी एवं भूमि सुधार अधिनियम 1972 की धारा 118 से मिलती जुलती 23 सिफारिशें कर रखी हैं और उत्तराखण्ड में हिमाचल प्रदेश के इसी कानून की तर्ज पर भूकानून बनाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। औद्योगीकरण के नाम पर कानून में ढील दिए जाने से सन् 2018 से लेकर अब तक उत्तराखण्ड की प्राइम लैंड लगभग बिक चुकी है। जमीनों की बेतहाशा खरीद फरोख्त नगरीय क्षेत्रों और उनके आसपास ही हुई है, इसलिए भूमि कानून में धारा -2 रखी गई थी। उस धारा के अनुसार कृषि भूमि की खरीद पर अंकुश वाला प्रावधान नगर निकाय क्षेत्रों पर लागू नहीं होता है।

जबकि पहले अध्यादेश वर्ष 2003 संख्या 6 में समस्त उत्तरांचल पर यह बंदिश लागू करने का प्रधान रखा गया था।

इस धारा का लाभ भूमि सौदागरों को पहुंचाने के लिए सन् 2017 में ही प्रदेश के 13 में से 12 जिलों के 385 गावों को 45 नगर निकायों में शामिल कर 50,104 हेक्टेअर जमीन को खरीद फरोख्त की बंदिशों से मुक्त कर दिया गया था। राज्य सरकार के इस निर्णय से अकेले गढ़वाल मण्डल में देहरादून जिले में सर्वाधिक 85 ग्रामों के 20221.294 हैक्टेयर ग्रामीण क्षेत्र को नगर निगम के अतिरिक्त हरबर्टपुर, विकास नगर, ऋषिकेश, डोईवाला शामिल किया गया है। यही नहीं गैरसैण तहसील में जमीनों की खरीद पर 2012 में लगी रोक को 2018 में सरकार ने हटा दिया था। उत्तराखण्ड अकेला हिमालयी राज्य है जहां जमीनों की बिकवाली और दलाली का धन्धा सर्वाधिक फलफूल रहा है। उत्तराखण्ड की व्यावसायिक और आवासीय महत्व की सभी जमीनें भूखोरों के चंगुल में चली गई हैं और सर्वाधिक आमदनी वाला प्रॉपर्टी डीलिंग का व्यवसाय उत्तराखण्ड में दिन दुगनी और रात चौगुनी रफ्तार से फलफूल रहा है। यहां तक कि बड़ी संख्या में राजनीतिक लोग भी इस धन्धे में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से शामिल हैं। फिर भी अगर सरकार सचमुच एक सशक्त भूमि कानून बना रही है तो उसे सरकार का देर से आया हुआ दुरुस्त फैसला माना जा सकता है, बशर्ते सरकार जनभावनाओं के अनुकूल और व्यवहारिक कानून बना दे। अगर सरकार उत्तराखण्ड में उपान्तरित और अनुकूलित जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम-1950 में 2017 के बाद के सभी संशोधन समाप्त कर देती है तो भी पूरा मकसद हल नहीं होता।

इसके साथ ही सरकार को अधिनियम की धारा दो पर भी पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि उत्तराखण्ड में बहुत तेजी से नगरीकरण हो रहा है और उसी तेजी से सरकारें नगर निकायों का विस्तार और उनकी संख्या बढ़ाती रही हैं। इस तरह जो ग्रामीण क्षेत्र नगर निकायों में मिलाए जाएंगे वहां भूमि सौदागरों और भूखोरों की मौज आ जाएगी। राज्य को विरासत में उत्तर प्रदेश से जमीन संबंधी विभिन्न कानून मिले थे। इन सभी कानूनों को मिला कर एक भूमि संहिता बनाई जा सकती है। सरकार का काम भूमि प्रबंधन के साथ भूमि सुधार भी है। सरकार को भूस्वामित्व के रिकॉर्ड के साथ ही भूमि के प्रकार की इन्वेंटरी भी चाहिए।

वर्तमान में भूमि का प्रबंधन राजस्व विभाग के पास और भूमि उपयोग कराने वाले कृषि और उद्यान दो अलग-अलग विभाग है। गांवों में जमीनों की अदलाबदली के कारण भूमि रिकार्ड अपडेट नहीं हैं। राजस्व अधिनियम 1901के अध्याय 5 से लेकर 8 तक लोप हो जाने के कारण सरकार के पास जमीनों का बंदोबस्त करने का कोई कानूनी आधार नहीं हैं। सन् 60 के दशक से प्रदेश में जमीनों के बन्दोस्त नहीं हुये हैं इसलिये रिकार्ड अद्यतन नहीं हैं। छोटी और बिखरी जोतें भी भूमि सुधार की दिशा में सबसे बड़ी अड़चन है लेकिन सरकार चकबन्दी भी नहीं कर पा रही है। एक एक खाते में दर्जनों खातेदार हैं और उनमें से बहुत सारे पलायन कर दूर चले गए हैं। पलायन के कारण जिन खेतों में झाड़ियां और जंगल उग गए उनके बारे में भी सरकार को सोचना चाहिये। अगर कानून बन रहा है तो उसमें भूमि संबंधी सभी मुद्दों का समावेश होना चाहिए। गोविन्द पन्त ने आजादी से पहले ही भूमि सुधार को आजादी के बराबर महत्व देते हुए स्वतंत्र भारत का सबसे पहला भूमि सुधार कानून ''उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि सुधार अधिनियम 1950'' बनवाया था और डॉ. परमार ने सन् 1971 में हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के साथ ही हिमाचल प्रदेश कास्तकारी एवं भूमि सुधार अधिनियम-1972 बनाया था। इसी तरह उत्तराखण्ड के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री पंडित नरायण दत्त तिवारी ने कास्तकारों की जमीनें भूखोरों से बचाने के लिए ''उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि सुधार अधिनियम 1950'' में संशोधन कर गैर कृषकों द्वारा कृषकों की जमीनें खरीदने पर रोक लगाने की कानूनी व्यवस्था कर दी थी।

गांधी ने भारत को सिर उठाकर भविष्य की ओर देखना सिखाया

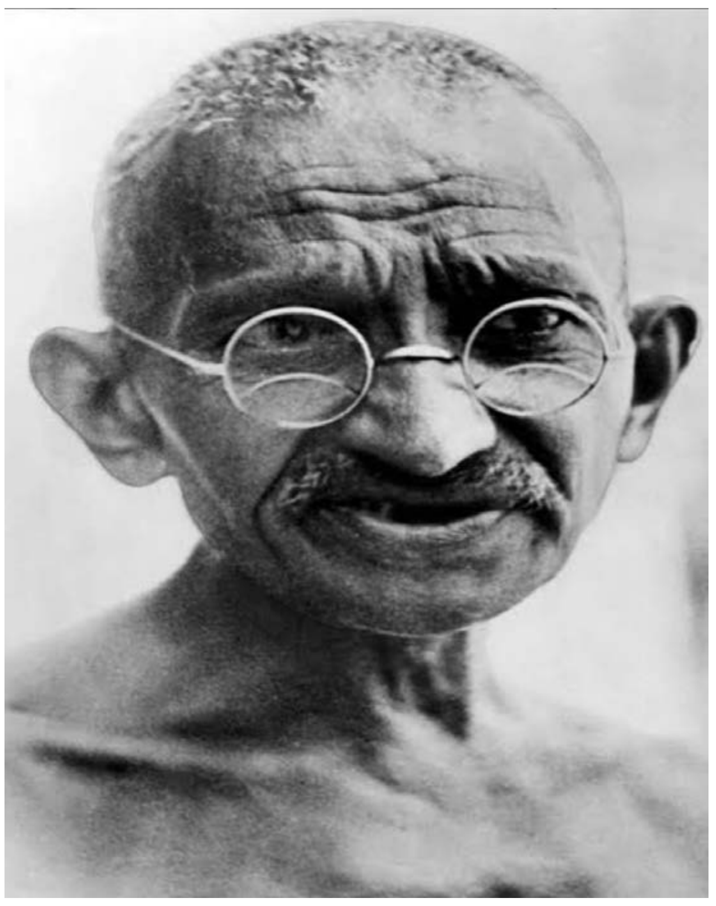

सुरेंद्र सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार. गांधी ने हिंदुस्तान को अपनी कमर सीधी करना सिखाया। अपनी आंख ऊपर उठाना सिखाया और सिखाया अविचल दृष्टि से परिस्थितियों का सामना करना। गांधी ने भारत के लोगों को जागृत रहकर भविष्य का निर्माण करना और भविष्य की ओर देखना सिखाया। विश्वबंधु महात्मा गांधी की इस बार जब हम 156वीं जयंती मना रहे होंगे तो उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर नए सिरे से बहस होंगी लेकिन जो बात चिरस्थाई है वह यह है कि उनकी कही बातें, उनका दिखाया रास्ता और देश- दुनिया को दी गई उनकी नसीहतों की आज भी प्रासंगिकता बनी हुई है। उनकी बड़ी खूबी यह है कि आज भी उनसे कोई नई दिशा और दृष्टि मिल सकती है। गांधी के समय में उनसे अलग राय रखने वाले डा. भीमराव आंबेडकर की शंकाएं और बातें सही साबित नहीं हुई और मोहम्मद अली जिन्ना तो पूरी तरह नाकाम साबित हुए। गांधी अस्पृश्यता को बड़ा कलंक मानते थे और उनके मंदिरों में प्रवेश की मुहिम चला रहे थे। आंबेडकर को लगता था कि यह अछूतों की मूल समस्या नहीं है। लेकिन आज दलितों का मंदिरों में प्रवेश उतना ही सहज है जितना ऊंची जातियों का है। गांधी सब तरह के भेदभाव के विरोधी थे। आजादी के 77 वर्षों में देश ने काफी हद तक समतामूलक समाज का निर्माण हुआ है। गांधी यह भी कहते थे कि किसी भी राष्ट्र में उसके लोगों के बीच किसी भी तरह की वर्चस्ववादी सोच नहीं होनी चाहिए। सभी के बीच बेहतर समन्वय और संबंध अनिवार्य रूप से होने चाहिए। उनकी इस सोच पर भारत ने चलकर दिखाया है। इस कारण भी भारत आज दुनिया का एक अखंड और शक्तिशाली राष्ट्र बना है। सारी मतभिन्नताओं के बावजूद हम भारत के लोग अपने देश के लिए एक सूत्र में पिरोई सुंदर और अद्भुत माला जैसे हैं। गांधी का यह अकेला काम भारत के लिए जीवनशक्ति साबित हुआ है। गांधी के समकालीन विश्व के सभी बड़े लोग उन्हें अपने से बड़ा और दिव्य पुरूष मानते थे। गांधी को भी अपनी स्थिति का सही-सही आभास था। राजनीतिज्ञ होते हुए भी उनके व्यक्तित्व और विचार दोनों में धर्म, आध्यात्म और नैतिकता का इतना जबरदस्त समावेश था जिसने उन्हें दुनिया को महात्मा मनवाने पर विवश कर दिया। गांधी ने खुद को खुद गढ़ा था। इसलिए वह अतुलनीय थे। फिर भी विद्वान एवं विचारक उनका अलग-अलग तरह से मूल्यांकन करते थे। यही बातें हमें उनके 71वें जन्मदिन पर 1939 में उन्हें भेंट किए गए गांधी अभिनंदन ग्रंथ में दुनिया के चोटी के विद्वानों, दार्शनिकों और नोबल पुरस्कार विजेताओं के लेखों में मिलती हैं। इसका संपादन काशी हिंदू विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन ने किया था। ग्रंथ में देश और दुनिया के प्रख्यात विद्वानों, दार्शनिकों, राजनेताओं, लेखकों और पत्रकारों के कुल 60 लेख प्रकाशित हुए थे जिनमें रविंद्रनाथ टैगोर, राजेंद्र प्रसाद, सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डा. भगवान दास, मिर्जा एम. इस्माईल, डा. पट्टाभी सितारा मईया, सर अब्दुल कादिर, प्रोफेसर डी. एस. शर्मा भारतीय थे। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने गांधी पर लेख लिखने के डा. राधाकृष्णन के आग्रह को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि वह महात्मा गांधी पर कुछ लिखने और कहने की सलाहियत नहीं रखते हैं। नेहरू ने 6 अक्टूबर 1939 को रेल से वर्धा जाते हुए राधाकृष्णन को लिखे पत्र में कहा था कि वह ऐसे शख्स के निस्बत क्या लिखे जो कि हिंदुस्तान का और मेरा एकजुज हो गया और जिसने की जमाने को अपना बनाया। उन्होंने उनकी निगरानी में काम किया और उनके ऊपर उनका असर पड़ा, उनके ख्याल बदले और रहने का ढंग भी बदला। जिंदगी ने एक करवट ली, दिल बढ़ा, कुछ-कुछ ऊंचा हुआ, आँखों में रोशनी आई, नए रास्ते देखे और उन रास्तों पर लाखों- करोड़ों के साथ हमकदम होकर चला। 1931 में भौतिक शास्त्र में नोबल पुरस्कार लेने वाले सर अलबर्ट आईंस्टीन और अमेरिका की प्रसिद्ध लेखिका साहित्य का नोबल पुरस्कार प्राप्त श्रीमती पर्ल एस. बक, दीनबंधु सीएफ एंडरूज, स्टेट्समैन के प्रधान संपादक आर्थर मूर, गांधी से श्रद्धा रखने वाली इंग्लैंड की मिस माड रायडन और फ्रांस के प्रसिद्ध लेखक 1915 में साहित्य का नोबल पुरस्कार लेने वाले रोमियां रोलां, अमेरिका की शिकागो यूनिवर्सिटी के भौतिक शास्त्र के प्रोफेसर और नोबल पुरस्कार विजेता आर्थर एच कामटन और अमेरिकन लेखक, साहित्य के नोबल पुरस्कार विजेता, समाजवादी चिंतक अप्टन शिंक लेयर और इंग्लैण्ड के विदेश सचिव रहे लाड हैलीफैक्स आदि शामिल है। लेखक डीएस शर्मा की राय में महात्मा गांधी हिंदू आध्यात्मिकता के सच्चे अवतार हैं और प्राचीन ऋषियों की श्रृंखला की प्रत्यक्ष कड़ी हैं। उन्होंने हिंदू धर्म के शास्वत सत्यों की पुर्नव्याख्या की है। उनका सत्याग्रह का संदेश हिंदू धर्म के अहिंसा सिद्धांत का विस्तार है। अंग्रेज महिला मिस माड रायडन ने लिखा कि दुनिया में सबसे अच्छा ईसाई अगर कोई है तो वह एक हिंदू है। गांधी जी के कार्यों और उपदेशों से यह बात सच लगती है। उन्होंने लिखा कि ईसा मसीह के शिष्यों में कोई भी उनके इतना निकट नहीं पहुंच सका है जितने महात्मा गांधी।

मैसूर राज्य के दीवान सरमिर्जा एम ईस्माइल जिन्होंने लंदन में हुई तीनों भारतीय गोलमेज कांफ्रेंस में हिस्सा लिया था में अपने लेख में कहा कि महात्मा गांधी की बात निराली है। वह अत्यंत न्यायपरायण, सतर्क और ऊंचे आदर्शों पर दृढ़ रहने वाले हैं और फिर भी सबसे अधिक राजनीतिज्ञ हैं। वह भारत की एक सनातन पहेली हैं। दुर्लभ चारित्रिक उन्नति, निर्दोष व्यक्तिगत जीवन, पारदर्शी व्यवहार, गंभीरता और दृढ़ धार्मिक मनोवृत्ति- इन सब गुणों के अद्भुत समन्वय गांधी जी को देखकर हमें महान आध्यात्मिक नेताओं और संतों की याद आ जाती है। उन्होंने भारतीयों में एक नई भावना, आत्मसम्मान और अपनी संस्कृति के लिए अभिमान के भाव पैदा करने और पुनर्जीवित भारत का स्फूर्तिदायक नेता होने के कारण वह एक महज राजनीतिक से भी कहीं अधिक है।

वैज्ञानिक अलबर्ट आईनस्टीन का कहना था कि हम बड़े भाग्यशाली हैं और हमें कृतज्ञ होना चाहिए कि ईश्वर ने हमें ऐसा प्रकाशमान समकालीन पुरूष दिया है- वह भावी पीढ़ियों के लिए भी प्रकाश स्तंभ का काम देगा। श्रीमती पर्ल एस. बक लिखती हैं कि गांधी ने अपने स्वीकृत मार्ग पर चलने का जो आग्रह रखा है उससे मुझे प्रसन्नता होती है कि दूसरे लाखों के साथ मुझे भी संसार में बढ़ते हुए अत्याचार का अजेय और अड़िग दृढ़निश्चय के साथ पूर्ण प्रतिरोध करने का साहस प्राप्त हुआ है। उनके प्रति वह अपनी अगाध स्तुति के भाव प्रदर्शित करती है। गांधी जी का नाम उनके जीवनकाल में ही एक आदर्श जीवन का पर्यायवाची बन गया है।

रविंद्रनाथ टैगोर ने अपने लेख में गांधी जी के बारे में जो उद्गार व्यक्त किए उसमें उन्होंने लिखा कि समय- समय पर राजनीति के क्षेत्र में ऐसे इतिहास निर्माता जन्म लेते हैं जिनकी मानसिक ऊंचाई मानवता की सामान्य सतह से ऊपर होती है। गांधी के व्यक्तित्व से जो प्रभाव पैदा हुआ वह संगीत और सौंदर्य की भांति अवर्णनीय है। उन्होंने उस सत्य पर आग्रह रखा जो उनके चरित्र में सहज स्पष्टता के साथ चमकता है। अभिनंदन ग्रंथ को स्वीकारने में महात्मा गांधी को बहुत संकोच और परेशानी हुई। उन्होंने यही कहा कि ईश्वर मुझे शक्ति दे कि लेखकों के मन में जो भी तस्वीर मेरी है मैं वैसा बन सकूं। गांधी जी अपनी प्रशंसा से खुश नहीं होते थे। वह अपनी मूर्ति चित्र और प्रशंसा को पसंद नहीं करते थे। उनका यही कहना था कि जिस काम में उनकी जिंदगी लग गई है उसमें वे हाथ बटाएं। हरेक स्त्री-पुरूष जो सांप्रदायिक मेल पैदा करने या छुआछूत के कलंक को मिटाने और गांव के हित साधना करने में कोई भी एक काम करता है वह मुझे सच्चा सुख और शांति पहुंचाता है।

सुरेंद्र सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार
-राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ पत्रकार

प्रभारी लेखपाल ने जाते-जाते जला दी भ्रष्टाचार की फाइल

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी जिले में आरईएस के भ्रष्टाचार की चर्चा पूरे प्रदेश में है। इसके पहले प्रभारी कार्यपालन यंत्री हिमांशु तिवारी, एसडीओ और सब इंजीनियर को निलंबित कर भोपाल आफिस में अटैच किया गया है। इसके बाद आए सीधी जिला पंचायत सीईओ ने आरईएस विभाग में प्रभारी लेखापाल निलेश पाण्डेय को सिंहावल ट्रांसफर कर दिया। संविदा कंप्यूटर ने प्रभार देने से पहले किए गए भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड को आग लगाने को लेकर कांग्रेस पार्टी ने वीडियो ट्वीट कर गंभीर आरोप लगाए हैं। आपको बता दें कि सीधी जिले में आरईएस विभाग में काफी भ्रष्टाचार हुआ है। भ्रष्टाचार के आरोप में प्रभारी कार्यपालन यंत्री हिमांशु तिवारी, एसडीओ, सब इंजीनियर को निलंबित कर भोपाल ऑफिस अटैच कर दिया गया है। दूसरी ओर कार्यालय में पदस्थ डाटा एंट्री ऑपरेटर निलेश पांडे जो कि हिमांशु तिवारी के बहुत करीबी माने जाते हैं, उन्हें लेखपाल का प्रभार भी दे दिया गया था। विगत एक सप्ताह पूर्व जिला पंचायत सीईओ ने विभाग में पदस्थ लेखपाल नीलेश पांडे को आरईएस विभाग से हटाकर सिंहावल ट्रांसफर कर दिया। चार्ज देने से पहले ही प्रभारी लेखपाल निलेश पांडे ने कुछ दस्तावेजों को आग के हवाले कर दिया था। आग लगाने का वीडियो कांग्रेस पार्टी ने ट्वीट करते हुए बीजेपी पर निशाना साधा। ट्वीट में लिखा है कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने पिछले कुछ सालों में भ्रष्टाचार के तरीके को बहुत अपग्रेड कर दिया है। मसलन करोड़ के घोटाले करो और रिकॉर्ड जला दो। ताजा मामला जिला पंचायत सीधी का है, जहां आरईएस विभाग के करोड़ों रुपए की घोटाले की फाइलों में आग लगा दी गई। इस मामले को लेकर प्रभारी कार्यपालन यंत्री मनोज कुमार बाथम से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि नीलेश कुमार पांडे जो हमारे यहां प्रभारी डाटा एंट्री ऑपरेटर था। अनियमिता के कारण उसे सिंहावल में पोस्टेड कर दिया गया है। सीईओ और विभागीय कार्रवाई के कारण वह कुछ कागज लेने आया हुआ था। उसका कहना है कि उसने अनुपयोगी कुछ कागजों को जलाया है। मैंने मामले को संज्ञान में लेते हुए उसे नोटिस दिया है। उससे 7 दिन के अंदर जवाब मांगा गया है।

फेल स्टूडेंट के रोल नंबर पर बनवा ली 10वीं की फर्जी मार्कशीट, बुरी फंसी मेयर

मुरैना। कांग्रेस के टिकट पर मुरैना की महापौर बनीं शारदा सोलंकी को दल बदल कर भाजपा में जाने के बावजूद भी राहत नहीं मिल रही। उन पर दसवीं की फर्जी मार्कशीट लगाने के आरोप में मुरैना जिला न्यायलय के जेएमएफसी न्यायालय द्वारा मामला दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। महापौर शारदा सोलंकी और उनके वकील संजय मिश्रा ने इस तरह के किसी भी फैसले की जानकारी नहीं होने की बात कही है। दरअसल, नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की प्रत्याशी रहीं मीना मुकेश जाटव ने महापौर शारदा सोलंकी की अंकसूची और उनके जाति प्रमाण पत्र को फर्जी बताते हुए कोर्ट में याचिका लगाई थी। याचिकाकर्ता कोर्ट में यह साबित नहीं कर पाए कि महापौर शारदा सोलंकी उत्तर प्रदेश की निवासी हैं और उनका जाति प्रमाण पत्र फर्जी है। इसलिए कोर्ट ने जाति प्रमाण पत्र के खिलाफ लगी याचिका को 9 मई 2024 को खारिज कर दिया था, लेकिन 10वीं की अंकसूची मामले में महापौर फंस चुकी हैं। कांग्रेस से महापौर का चुनाव जीतीं शारदा सोलंकी लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो चुकी हैं। सूत्रों ने बताया कि जिस रोल नंबर की मार्कशीट उनकी है, वह किसी लड़के की है, जो परीक्षा में ही नहीं बैठा। महापौर शारदा सोलंकी ने साल 1986 में पिनाहट के सर्वोदय विद्या मंदिर स्कूल से 10वीं की परीक्षा पास होना बताया था। उनका रोल नंबर 1009025 है। पिनाहट के इस स्कूल से पूरा रिकार्ड मांगा तो स्कूल प्रबंधन ने बताया कि उनके स्कूल में साल 1986 में शारदा पुत्री वासुदेव का दाखिला ही नहीं हुआ है। मार्कशीट पर जो रोल नंबर 1009025 है, वह नरोत्तम पुत्र भानजीत नाम के छात्र का है। इसके बाद याचिकाकर्ता मीना मुकेश जाटव ने उप्र के इलाहाबाद माध्यमिक बोर्ड से सूचना के अधिकार के तहत जानकारी ली। इसमें बताया गया है कि 1009025 रोल नंबर नरोत्तम पुत्र भानजीत का है। वह उस समय परीक्षा से गैर हाजिर रहा और सभी विषयों में फेल हो गया।

जनसुनवाई में आवेदकों ने कलेक्टर गुप्ता को बताई अपनी समस्याएं

कलेक्टर गुप्ता ने जनसुनवाई में आए सभी आवेदनों का त्वरित, निराकरण करने के अधिकारियों को दिये निर्देश

देवास, जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने जनसुनवाई की। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपने आवेदन कलेक्टर गुप्ता के समक्ष प्रस्तुत किए। आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर गुप्ता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। जनसुनवाई में आवेदन रामप्रसाद पिता हीरालाल निवासी देवास ने विद्युत बिल कम कराने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में आवेदक अम्बाराम पिता देवाजी निवासी सरसोदा तहसील सोनकच्छ ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में आवेदिका तेजुबाई पिता रामप्रसाद निवासी ठिकरिया तहसील कन्नौद ने दतुनी बांध परियोजना अंतर्गत डूब क्षेत्र में आने से मकान के लिए मुआवजा राशि दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर गुप्ता ने संबंधित अधिकारी को नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त

जनसुनवाई में जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटाने, अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

आश्चर्यजनक किंतु सत्य थाने में लटक गया ताला

छतरपुर। क्या आपने कभी सुना या देखा है कि किसी पुलिस थाने या चौकी में ताला लगा हो, सोचिए अगर ऐसा हो जाए तो क्या होगा। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में कुछ ऐसा ही हुआ है। यहां के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले उप थाना सेंधपा में पिछले कई दिनों से ताला लटका हुआ है। उप थाने में ताला लटके होने के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे तब हड़कंप मच गया। मामला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा तो आनन फानन में ताले में बंद उप थाने को खुलवा दिया गया। सेंधपा उप थाने में ताला आखिर क्यों और किस वजह से लगा है जब इसकी पड़ताल की तो मामला खुला। दरअसल, आज से लगभग 8 से 10 दिन पहले कुछ लोगों ने एक दलित को इतना प्रताड़ित किया कि उसने फांसी लगा ली। उसके बाद उप थाने में जमकर हंगामा हुआ और आखिर में थाना कुछ दिनों के लिए बंद करना पड़ा। इसी बीच लगभग 3 दिनों पहले बीमारी के चलते उप थाने में पदस्थ एएसआई की मौत हो गई। सागर रेंज आईजी प्रमोद वर्मा का कहना है कि संबंधित मामले की उन्हें जानकारी नहीं है। अगर उप थाना बंद है तो गंभीर विषय है जल्द ही दिखवाते हैं। वहीं छतरपुर एसपी अगम जैन का कहना है कि वहां जो इंचार्ज थे उनकी मौत हो गई। शायद इलाज या अन्य चीजों के लिए ताला लगा दिया गया हो। फिर भी मामले की जांच करा रहे हैं। फिलहाल इसके फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। लोग यह कहते हुए पुलिस पर सवाल खड़े कर रहे हैं कि जब उप थाने में ही ताले पड़े हैं तो आम जनता कहां जाएगी। स्थानीय लोग बताते हैं कि उप थाने में पिछले 10 दिनों से ताला पड़ा हुआ है। थाने में कुल दो लोग पदस्थ थे, जब गांव में घटना हुई तो थाने के अलावा सड़क के आसपास जमकर बवाल हुआ। तब से अब तक थाने में ताला पड़ा हुआ है। हालांकि अभी जब मामला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा तो सेंधवा उप थाने के ताले खुलवा दिए गए।

आपदा की इस घड़ी मे सरकार किसानो के साथ – विधायक श्री भीमावद

किसानो न वर्षाजन्य नुकसान का बीमा लेने हेतु रजिस्ट्रेशन करावें

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, विधानसभा क्षेत्र शाजापुर मे पिछले सप्ताह अचानक हुई वर्षा के कारण फसले खराब होने के कारण किसान भाईयों को काफी नुकसान हुआ है इस प्राकृतिक आपदा में देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी सदैव किसानों के दुख के साथ खडी है। उक्त बात कहते हुवे क्षेत्र के विधायक श्री अरुण भीमावाद ने बताया की जिस किसान भाई की फसल प्रभावित हुई है वह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत सीधे बीमा कंपनी के टोल फ्री नम्बर या कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाईन 14447 या क्रॉप इंन्शुरन्स ऐप पर अथवा लिखित में अपने बैंक अथवा कृषि विभाग के अधिकारियों के माध्यम से सूचित करवाना आवश्यक है। जिसमें प्रभावित किसान बंधुओ का नाम, मोबाईल नम्बर, अधिसूचना पटवारी सर्किल, बैक का नाम, बैक खाता संख्या, आपदा का प्रकार, प्रभावित फसल आदि की सूचना अंकित होना आवश्यक है। श्री भीमावद ने कहाँ की आपदा की इस घड़ी मे सरकार किसानो के साथ है और प्रभावित किसानो को वर्षाजन्य नुकसान का बीमा लेने हेतु अधिक से अधिक संख्या रजिस्ट्रेशन कराना चाहिए। उल्लेखनीय हैकि शाजापुर विधानसभा में अत्यधिक एवं असमय हुई वर्षा के कारण किसानों की सोयाबीन की फसलों में हुए नुकसान का सर्वे करवाने एवं मुआवजा दिए जाने हेतु गत दिनों विधायक श्री भीमावद ने माननीय मुख्यमंत्री जी को पत्र लिख कर अवगत करवाया था।

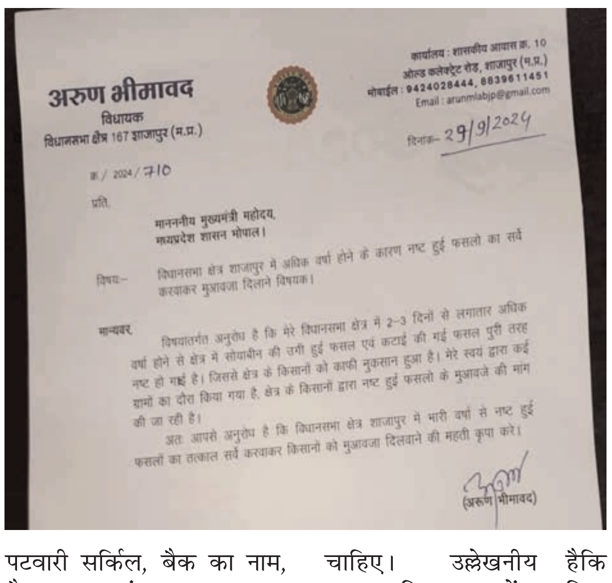
अरुण भीमावद
विधायक
विधानसभा क्षेत्र 167 शाजापुर (म.प्र.)

कार्यालय : शासकीय आवास क्र. 10
ओल्ड कलेक्टोरेट रोड, शाजापुर (म.प्र.)
मोबाईल : 9424028444, 8839611451
Email : arunmlabjp@gmail.com

क्र./ 2024/710

दिनांक- 29/9/2024

प्रति,
माननीय मुख्यमंत्री महोदय,
मध्यप्रदेश शासन भोपाल।

विषय:- विधानसभा क्षेत्र शाजापुर मे अधिक वर्षा होने के कारण नष्ट हुई फसलो का सर्वे करवाकर मुआवजा दिलाने विषयक।

मान्यवर,
विषयातर्गत अनुरोध है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में 2-3 दिनों से लगातार अधिक वर्षा होने से क्षेत्र में सोयाबीन की उगी हुई फसल एवं कटाई की गई फसल पुरी तरह नष्ट हो गई है। जिससे क्षेत्र के किसानों को काफी नुकसान हुआ है। मेरे स्वयं द्वारा कई ग्रामों का दौरा किया गया है, क्षेत्र के किसानों द्वारा नष्ट हुई फसलो के मुआवजे की मांग की जा रही है।

अतः आपसे अनुरोध है कि विधानसभा क्षेत्र शाजापुर में भारी वर्षा से नष्ट हुई फसलों का तत्काल सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा दिलवाने की महती कृपा करें।

(अरुण भीमावद)

रोजगार दो, बेरोजगारी नही... कार्यक्रम के तहत युवा कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, मध्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार दो, बेरोजगारी नहीं..., कार्यक्रम के तहत जिला युवा कांग्रेस शाजापुर के नेतृत्व में मंगलवार को विकास एवं रोजगार विभाग में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि पीरियोडिक लेबर फोर्स के सर्वे अनुसार पूरे मध्यप्रदेश में 1 प्रतिशत से कम बेरोजगारी है जो कि पूर्णता निराधार है और इसका प्रभाव स्वयं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दिया है। मध्य प्रदेश में पंजीकृत बेरोजगार की संख्या 2582759 है और वहां उत्तर 2162024 को दिया गया है, जिससे यह साफ होता है कि प्रदेश में एक प्रतिशत बेरोजगारी नहीं एक प्रतिशत से 10 गुना ज्यादा बेरोजगारी है। 2023 चुनाव में आपकी पार्टी ने संकल्प पत्र में 250000 सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी, कृपया करके उक्त नौकरियों पर युवाओं की नियुक्ति की जाए। ज्ञापन देते समय इरशाद नागौरी, सर्लेश चतुर्वेदी, योगेंद्र वर्मा, दीपक सलोकिया, पवन मालवीय, आशीष वर्मा, सुभाष चंदेल, पवन, शैलेन्द्र अहिरवार आदि उपस्थित थे।

मामले में दोतरफा राजनीति, सीसीटीवी से खुलेगा राज

संदिग्ध परिस्थितियों में 60 वर्षीय बलराज की मौत

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, बुढ़ार थानांतर्गत सामुदायिक स्वस्थ केंद्र में मंगलवार उस समय हड़कंप मच गया जब बिन पोस्टमार्टम के एक शव को उत्तरप्रदेश भेजने की तैयारी चल रही थी, मामले में सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार ओरियंट पेपर मिली की कास्टिक सोडा फ़ैक्ट्री यूनिट में ट्रांसपोर्ट की गाड़ियों के आने जाने वाले द्वार के ठीक आसपास दो दिन पूर्व ही गोल्ड्न ट्रांसपोर्ट कंपनी के ट्रक चालक 60 वर्षीय बलराज सिंह जो की उत्तरप्रदेश वैशाली जिले का मूल निवासी के साथ स्थानीय सफ़ेदपोस नेताओ ने बाहरी ट्रक चालक से बेदम मारपीट कर दी, और उसके वाहन का शीशा भी तोड़ दिया, सोमवार-मंगलवार के दरमियानी रात में एक बार फिर उसी बेबस ड्राइवर पर जाने कैसा कहर बरपा जो एचजीआई कास्टिक सोडा फ़ैक्ट्री यूनिट की एम्बुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में 60 वर्षीय बलराज सिंह को इलाज के लिए लेकर आती है जहा मौजूद डॉक्टर ने 60 वर्षीय बलराज सिंह को मृत घोषित कर दिया।

मामले में कुछ लोगो ने कहा है कि स्थानीय नेता और नगर परिषद् बरगवां की राजनीति के हत्थे 60 वर्षीय बलराज सिंह की बलि चढ़ गई, तो कुछ लोगो का आरोप है, केमिकल फैक्ट्री में गैस रिसाव मामले की खुन्नस से नेताओ पर निशाना साधा जा रहा है, इसमें कितनी सच्चाई है यह तो पुलिस जाँच में ही साफ़ हो पायेगा लेकिन कहते है की आग जब लगती है तभी धुवा उठता है, पुलिस भी इस मामले में कई बिन्दुओ पर जाँच रही है, जिसमे सीसीटीवी फुटेज इत्यादि साक्ष्य की जाँच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है द्य संभवतः मामले में जो भी दोषी होगा कार्यवाही की जाएगी।

प्रतिक्रिया..

हमे बॉडी तो देखने को तो नहीं मिली लेकिन डॉक्टर ने बताया है की मृतक बलराज सिंह के शरीर पर चोट जैसे निशान है मुझे तो ऐसा लगता है की हमारे ड्राइवर साथी से मारपीट हुई है, अगर मामले निष्पक्ष जाँच कार्यवाही नहीं होती है तो हम सड़क पर उठकर आंदोलित होंगे- **तेजबली शर्मा, ड्राइवर महासंघ, शहडोल**

कल रात 12 - 01 बजे एक मरीज आया था उलटी एवं पेट दर्द की शिकायत थी, इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई, बाकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है - **सौरभ सिंह परिहार, डॉक्टर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र, बुढ़ार**

वीरेंद्र बरकड़े, थाना प्रभारी थाना चचाई

मामले में जीरो में कायमी करते हुए डायरी स्थानीय थाने को भेज दी जाएगी - **संजय जायसवाल, थाना प्रभारी, थाना बुढ़ार, शहडोल**

पुलिस सहायता केंद्र देवहरा थाना चचाई पुलिस द्वारा अपृहता नाबालिक बच्ची को किया गया दस्तयाब

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, फरियादी पुलिस सहायता केंद्र देवहरा उपस्थित आकर रिपोर्ट किया कि उसकी नाबालिक बच्ची उम्र 17 साल 09 माह की घर से अनूपपुर जाने का कहकर गई है जो आज दिनांक तक वापस नहीं आई है किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बच्ची को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है।

फरियादी की रिपोर्ट पर थाना चचाई में अपराध क्रमांक 183/2024 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया दौरान विवेचना दिनांक 01/10/2024 को अपृहता बच्ची को दस्तयाब कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। महत्वपूर्ण भूमिका थाना प्रभारी चचाई वीरेंद्र कुमार बरकड़े, पुलिस सहायता केंद्र देवहरा प्रभारी उप निरीक्षक रंगनाथ मिश्रा, प्रधान आरक्षक उमेश केवट, महिला आरक्षक आकांक्षा मिश्रा, साइबर सेल आरक्षक राजेंद्र केवट, पंकज मिश्रा का विशेष योगदान रहा है।

जिले के सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

संगठन शिल्पियों ने मध्यप्रदेश को भाजपा का गढ़ बनाया - जीतू जिराती

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, भारतीय जनता पार्टी जिला शाजापुर की सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक सोमवार शाम जिला कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक को भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी जीतू जिराती, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया ने संबोधित कर सदस्यता अभियान के आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने बताया कि बैठक में सर्वप्रथम भारत माता, डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। जिला महामंत्री एवं सदस्यता अभियान के जिला संयोजक विजयसिंह बैस ने अभी तक शाजापुर जिले में हुई सदस्यता की जानकारी से अवगत कराया एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु मंडल की योजना बनाई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष जिराती ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे कई संगठन शिल्पियों ने भाजपा को विस्तार देकर संवारा है। संगठन शिल्पियों ने मध्यप्रदेश को भाजपा का गढ़ बनाया है। हम उनके बनाए आदर्शो पर चलकर उनके सपनों को अपने मतदान केन्द्र पर साकार करेंगे। हर घर तक भाजपा के विचार और सरकारों की उपलब्धियां पहुंचाना है। साथ ही हर बूथ पर हर जाति, वर्ग, व्यवसायी नागरिकों को भाजपा का सदस्य बनाना है। भारतीय जनता पार्टी संगठन और सरकार के माध्यम से समाज सशक्तिकरण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। हमें अभी रुकना नहीं है और लोगों को पार्टी से जोडऩा है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी है और अपने कामों की वजह से पहचानी जाती है, इसलिए हर व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी से जुडऩा चाहता है, लेकिन उन व्यक्तियों को जोडऩे के लिए कार्यकर्ताओं को उनके पास तक जाना आवश्यक है। उन्होने कहा कि भाजपा संगठन ने सदस्यता का जो लक्ष्य तय किया है उससे अधिक से अधिक भागीदारी कर शाजापुर को प्रदेश में शीर्ष स्थान पर लाना है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर संगठन मजबूती के कार्य करना है। राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व ने जो सदस्यता अभियान का लक्ष्य दिया है, उसे हम सभी को मिलकर पूरा करना है। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष सिसोदिया ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष एवं जिला संयोजक उपस्थित थे।

स्कूली वाहनों की दुर्घटनाओं पर एबीवीपी ने किया कलेक्टर कार्यालय का घेराव

नारेबाजी कर गिराए बेरिकेड्स

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, जिले में स्कूली वाहनों के लगातार दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले में एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंच कर घेराव किया। इस दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं से ज्ञापन लेने जिला पंचायत सीईओ, एसडीएम, तहसीलदार पहुंचे, लेकिन कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन देने से मना कर दिया। उनका कहना था कि वह कलेक्टर को ही ज्ञापन देंगे। इसके बाद एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर से मिलने की जिद करते हुए कलेक्टर कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी शुरू कर दी। काफी देर चली नारेबाजी के बाद कार्यकर्ताओं ने बलपूर्वक कलेक्टर कार्यालय के दरवाजे को खोलते हुए बैरिकेट्स गिराते हुए कार्यालय परिसर में प्रवेश किया और यहां भी जमकर नारेबाजी की। घंटों चले प्रदर्शन के बाद कलेक्टर ऋजु बाफना ने एबीवीपी के कार्यकर्ताओं से सभाकक्ष में मुलाकात की और ज्ञापन लेकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने बताया कि जिले में निजी स्कूल वाहनों से लगातार दुर्घटना हो रही है, जिसमें स्कूली विद्यार्थियों की जान पर खतरा बना हुआ है। इसको लेकर कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है, परंतु बावजूद इसके परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और स्कूल प्रबंधन मामले में कार्रवाई करने को तैयार नहीं हैं। नतीजतन हर दिन स्कूली बच्चे जान जोखिम में डालकर घर से स्कूल और स्कूल से घर आना-जाना कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने बताया कि बीते दिनों पनवाड़ी के निजी स्कूल का वाहन दुधाना में पलट गया था, इस दौरान कई बच्चे घायल हो गए थे जिन्हें उपचार के लिए शाजापुर अस्पताल में लाया गया था, यहां पर अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों ने स्कूली बच्चों के परिजनों के साथ अभद्रता कर मारपीट की थी, किंतु इस मामले में भी प्रशासन के द्वारा उक्त कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।बल्कि सीएमएचओ के कहने पर कर्मचारी ने बच्चों के अभिभावक पर ही झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। कार्यकर्ताओं के द्वारा दिए गए ज्ञापन पर कलेक्टर ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है जिसके बाद मामला शांत हुआ। इधर कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि मामले में कार्रवाई नही हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

नारेबाजी कर गिराए बेरिकेड्स- निजी स्कूलों के वाहनों पर परिवहन विभाग द्वारा कार्रवाई नही किए जाने से नाराज एबीवीपी के कार्यकर्ता बीकेएसएन कालेज से मंगलवार सुबह रैली के रूप में निकले और कलेक्टर कार्यालय के बाहर नारेबाजी की। इस दौरान छात्र नेताओं से ज्ञापन लेने एसडीएम मनीषा वास्कले, तहसीलदार मधु नायक पहुंची, लेकिन छात्रों ने यह कहकर ज्ञापन देने से इनकार कर दिया कि वे पहले भी ज्ञापन दे चुके हैं जिस पर कोई कार्र्रवाई नही की गई है। इसलिए अब वे ज्ञापन कलेक्टर को ही सौंपेंगे। काफी देर नारेबाजी के बाद जब कलेक्टर छात्रों के बीच नही आई तो उन्होने गेट पर खड़े पुलिसकर्मियों को धकेलते हुए कलेक्टर कार्यालय के बाहर लगे बेरिकेड्स गिराए और परिसर में प्रवेश किया। इसके बाद कलेक्टर से मुलाकात कर कार्रवाई को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिजुरी पुलिस ने अज्ञात अंधे कत्ल की घटना का 12 घंटे मे किया खुलासा

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, इस प्रकार है कि दिनाक 30.09.024 को सूचनाकर्ता द्वारा यह जानकारी दी गई कि गलैयाटोला बिजुरी में एक अज्ञात व्यक्ति की लाश झाडियों मे चादर मे लपेटकर बांधकर फेकी गयी है जिसकी तस्दीक पर एक अज्ञात महिला की 08-10 दिन पुराना शव उक्त स्थान पर पाये जाने की पुष्टि हुई। सूचना पर मर्ग 0/24 धारा 194 बीएनएसएस के तहत पंजीबद्ध कर जांच मे लिया गया जो अज्ञात महिला के शव को घटना स्थल के आसपास के रहवासियों को दिखाया गया उनके घरों मे किसी व्यक्ति के गुम या न मिलने के संबंध मे जानकारी ली गयी तो घटना स्थल के पास ही स्थित घर के रहवासी मुन्नी कोल ने बताया कि उसकी बडी बहन सरोज कोल पति स्व. प्रदीप कोल उम्र 40 वर्ष कही दिनांक 19.09.024 को रात 08ः00 बजे करीब घर से बिलासपुर जाना कहकर निकली है जो आज दिनांक तक नही आई है उक्त महिला और उसके पति गेंदलाल से अज्ञात महिला के शव की पहचान करायी गयी जिन्होने यह खुलासा किया कि घटना स्थल से प्राप्त शव मृतिका सरोज कोल का है जिसकी पंचनामा कार्यवाही, घटना स्थल निरीक्षण एवं शव प्राप्ति की परिस्थितियों से यह तथ्य पाया गया कि मृतिका की हत्या की गयी है और साक्ष्य छुपाने की नियत से उक्त स्थान पर छुपाया गया है। घटना विवरण अपराध घारा 103(1), 238 बीएनएस का पाया जाने से तत्काल मामला पंजीबद्ध कर अनुसंधान मे लिया गया। विवेचना दौरान मृतिका को अंतिम बार देखने वाले उसके दत्तक पुत्र राजकुमार कोल पिता प्रदीप कोल के कथन संदेहास्पद प्रतीत हुये साथ ही मुखबिर तंत्र द्वारा बताया गया कि संदेही राजकुमार दो तीन दिनो से एक पिक-अप इस शर्त पर किराये मे लेने की फिराक मे है कि किराये कि पिक-अप को खुद लेकर मनेन्द्रगढ तक जायेगा जिसके लिये वह मुह मांगा किराया देने के लिये तैयार है जो उसकी आर्थिक स्थिति के विपरीत है जिस कारण उक्त संदेही से मनोवैज्ञानिक तरीके से बारीकी से पूछताछ की गयी तो आरोपी राजकुमार पिता प्रदीप कोल उम्र 18 वर्ष निवासी गलैयाटोला बिजुरी ने बताया कि उसकी बडी मां मृतिका सरोज कोल उसे कही आने जाने नही देती थी घर मे रखती थी गांली गलौज मारपीट करती थी, दिनांक 17.09.24 की रात भी उसे मोहल्ले के गणेश विसर्जन मे नही जाने दिया तो मोहल्ले के उसके साथी उसका मजाक उडाकर बोले कि मेहेरिया है क्या घर मे छुपा रहता है जो बात आरोपी को बहुत बुरी लगी और उसने अपनी बडी मॉ की हत्या कि योजना बनाई तथा 17-18.09.24 की दरमियानी रात करीब 02ः30 बजे जब मृतिका सो रही थी तब उसके सिर के दाहिने हिस्से मे प्राण घातक हमला कर उसकी हत्या कर दी घटना मे प्रयुक्त कुल्हाडी मृतिका के खून आलूदा कपडे चादर और आरोपी के खून आलूदा कपडे जप्त किये गये है आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि आरोपी राजकुमार मृतिका की छोटी बहन मुन्नी बाई का वास्तविक पुत्र है जिसे मृतिका द्वारा बचपन मे गोद लिया गया था तब से वह मृतिका के साथ ही रहता था उसके पहचान दस्तावेज मे आरोपी के पिता का नाम प्रदीप कोल लेख है जो मृतिका सरोज कोल का पति है। उपरोक्त अंधे कत्ल के खुलासे मे वरिष्ठ अधिकारियो के सतत मार्गदर्शन, एफ एस एल टीम के डाक्टर प्रदीप व उनकी टीम, डॉग स्काड अनूपपुर व बिजुरी पुलिस के निरीक्षक विकास सिंह, उनि सोने सिंह परस्ते सउनि उदय प्रजापति, विपिन बिहारी राय, रवि करण पयासी प्रआर. सतीश मिश्रा, सुखेन्द्र सिह, विनोद मिंज, मनोज लकडा आर. आनंद, लक्ष्मण, अभिषेक, राजदेव, सुनील, प्रभाकर, नत्थूलाल म.आर. संगम तोमर की महत्पूर्ण भुमिका रही।

भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष ने सांसद राजकुमार रोत संसद में जिले की समस्याओं को रखने को सौंपा पत्र

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, देश के सर्वोच्च सदन में पुरजोर तरीके से अनूपपुर जिले की ज्वलंत समस्याओं को रखकर उसके निदान की मांग करने हेतु भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष ललन सिंह परस्ते ने बांसवाड़ा से भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत से विगत दिनों सिवनी में मुलाकात कर मांग पत्र दिया जिसमे उन्होंने अनूपपुर व डिण्डौरी जिले के बीच शोभापुर में प्रस्तावित शोभापुर बांध परियोजना को लेकर उल्लेख किया कि दोनो जिले पांचवीं अनुसूचित क्षेत्रान्तर्गत आते हैं जहां पेशा कानून भी लागू है लेकिन बिना ग्राम सभा की सहमति के किसानों की जमीन अधिग्रहण किये जाने की अंदर ही अंदर प्रशासन द्वारा तैयारी की जा रही है। इससे किसानों को कब लाभ होगा और कितना होगा इसका सरकार के पास कोई मसौदा नहीं है इतना जरूर है कि प्रभावित किसान हुआ उसका परिवार बेरोजगारी का दंश से झेलेगा।

आदिवासियों को विस्थापित करने षड़यंत्र

भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष ललन सिंह परस्ते ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि मध्यप्रदेश में 29 बाँध स्वीकृत हैं जिसमें टीएसपी की राशि भाजपा सरकार द्वारा खर्च किया जा रहा है,जिसमें सिर्फ आदिवासी विस्थापित होंगे, यह आदिवासियों को विस्थापित करने के लिये भाजपा सरकार का बहुत बड़ा षड़यंत्र है। इसके अलावा उन्होंने भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत को दिए गए पत्र में लिखा कि

मध्यप्रदेश में हाई एजुकेशन प्राप्त कर छात्र-

छात्रायें बेरोजगार हैं, जिन्हें सरकार रोजगार उपलब्ध नहीं कर पा रही है और ना ही उसके पास कोई प्लान है,कर्मचारियों के हित मे ओल्ड पेंशन स्किम लागू कराये काने का भी उल्लेख किया गया। इसके साथ ललन सिंह परस्ते ने पेशा कानून को धरातल में लागू कराने की भी बात संसद में उठाने का आग्रह किया।

आदिवासी कुलपति के नियुक्त की मांग

बांसवाड़ा से भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत से भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष ललन सिंह परस्ते ने मुलाकात कर दिए गए पत्र में जिले में स्थापित इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्व विद्यालय अमरकंटक में आदिवासी कुलपति नियुक्त किए जाने की मांग भारत सरकार से करने को कहा। साथ छात्र-छात्राओं के कॉलेज आने-जाने के बस सुविधा बहाल कराए जाने की मांग की है,उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार कर्ज पर ऊपर कर्ज लेकर रेवड़ी बाटने में लगी है,लेकिन आदिवासियों को आत्मनिर्भर नही बनाने की दिशा में सार्थक कम नहीं उठाया जा रहा है यहां पर शिक्षा का स्तर निचले पायदान में है मध्यप्रदेश भाजपा सरकार जनजातीय उपयोजना की राशि अनावश्यक के कार्यों में व्यय करने में जुटी है जिसे रोका जाना चाहिये।

कटनी में घंटाघर मार्ग सुधार के लिए 4 घंटे का धरना प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों को सड़क सुधार का मिला आश्वासन

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले के दशहरा महोत्सव मंच के नेतृत्व में जगन्नाथ चौक मे घण्टाघर मार्ग व जुलुश मार्ग को सुधार के लिए 4 घंटे से लगातार धरना प्रदर्शन किया गया। जो की सुबह 11 बजे से शुरू हुआ मंच के लोगो का कहना है की जब तक हमारी मांग पूरी नही होती तब तक धरना प्रदर्शन चालु रहेगा। प्रदर्शन के दौरान शहर के चारो तरफ आजाद चौक घण्टाघर मिशन चौक जगन्नाथ चौक नदी पार केलावारा मोड़ मे भीषण जाम लग गया लोग घंटो मे जाम मे फसे रहे प्रदर्शन मे जिले के चार थाने की पुलिस बल के साथ पुलिस यातायात पुलिस ने मोर्चा संभाला वही एसडीएम भी लगातार प्रदर्शनकारियों को धरना खत्म करने की समझाइश देते रहे लेकिन 4 घंटे तक प्रदर्शन चला वही अंत में नगर निगम महापौर प्रीति सूरी और नगर निगम कमिश्नर शिशिर गेमावत प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे और उनकी मांगे सुन आश्वासन दिया कि वे इस नवरात्रि तक वे चांडक चौक से मंदिर तक और दूसरी तरफ घंटा घर से मंदिर ग्रीन मैट बिछाया जाएगा एक से श्रद्धालुओं को इस सड़क पर चलने में कोई परेशानियां नही होगी वही प्रदर्शनकारी इस बात पर अड़े रहे की वे सभी अपने खुद के मद से दमाल रोड तैयार कर लेंगे लेकिन प्रदर्शन कार्यों के सामने मौजूद जिला प्रशासन व नगर एवं प्रशासन इस बात की अनुमति नहीं दी और यह कहा कि अभी फिलहाल श्रद्धालुओं को परेशानियां न हो उसके लिए वह ग्रीन मेट बिछा नवरात्रि तक रखेंगे और आगे जो भी नियम अनुसार कार्रवाई होगी और चांडक चौक से घंटाघर तक की पक्की सड़क का निर्माण कराया जाएगा । जिसके बाद प्रदर्शनकारी मान गए और पिछले 4 घंटो से चल रहे चक्का जाम खोल दिया।

ददिया में राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वच्छता पखवाड़ा अन्तर्गत हुए विविध कार्यक्रम

सरपंच रिसी पंछी भलावी सहित ग्रामीण जनों ने लगाया पौधा

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत ददिया में पांच आंगनबाड़ी केंद्रों ने मिलकर आंगनबाड़ी भवन में 1 अक्टूबर दिन मंगलवार को शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय पोषण माह एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान अन्तर्गत विधित कार्यक्रम आयोजित हुए,यह कार्यक्रम ग्राम सरपंच श्रीमती रिसी पंछी भलावी सरपंच के मुख्य आतिथ्य,में आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम अतिथियों के हस्ते मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष पूजा-अर्चना की गई तत्पश्चात आंगनबाड़ी मेडम द्वारा बताया गया कि 6 माह से लेकर किसी भी उम्र के बच्चों एवं बड़ो के लिये पौष्टिक, स्वास्थ्य वर्धक एवं स्वादिष्ट होते है, इसमें, पोहा, चना, मसूर, उड्द, मूंग दाल व चावल को रात भर भिगो कर उसको पीस ले फिर उसमें शिमला मिर्च, गाजर, प्याज, लसहन, अदरक, मीठी नीम की पत्ति, मिर्च का पेस्ट डालकर, नमक, तिल्ली, अजवान,सौंप डाल कर तवे व कढ़ाही में सेक ले।इस अवसर पर स्वच्छता पर विविध प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया गया।

तत्पश्चात शासन द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कार्य किया गया है जिसमें नीम,अमरूद,आम, अशोक, जामून, सहित अन्य भी फलदार व छायादार पौधे शामिल रहे जिन्हें विभिन्न वार्डों में लगाया गया है। तथा ग्राम सरपंच श्रीमती रिसी पंछी भलावी द्वारा सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में मेटी व कुर्सी भेंट किया गया है।

इस अवसर पर रानीकुठार पंचायत सरपंच श्रीमती रिसी पंछी भलावी सरपंच,सचिव हुकुम चंद रहांगडाले, रोजगार सहायक देवेन्द्र बोपचे, श्रीमती केसर बाई भोयर जनपद पंचायत सदस्य, श्रीमती ममता रहांगडाले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, श्रीमती गनेशा बोपचे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ममता मोहबे,निशा हरिनखेडे,व दिपीका बाहेश्वर, वहीं पंचायत के पंच सहित ग्राम कि समस्त महिलाएं उपस्थित रहीं हैं ।

श्री राम जानकी लीला समिति के तत्वावधान में श्रीरामलीला मंचन का हुआ भव्य शुभारंभ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम जानकी लीला मंचन समिति के तत्वावधान में श्रीरामलीला मंचन का शुभारंभ बड़े ही भव्य रूप में दुर्गा कालोनी रेलवे रोड देवबंद पर किया गया। रामलीला मंचन का उद्घाटन श्रीमती सुधा गांधी पत्नी श्री अजय गांधी द्वारा फीता काटकर किया गया। पूजन देवबंद नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विपिन गर्ग, राजकिशोर गुप्ता, आशुतोष गुप्ता, योगेंद्र गोयल, भाजपा नगर अध्यक्ष अरूण गुप्ता व सुधा गांधी द्वारा किया गया। माल्यार्पण योगेंद्र गोयल, आशुतोष गुप्ता, राजकिशोर गुप्ता, दिनेश ऋषि, विवेक गुप्ता (प्रिंस लाला) व विशिष्ट अतिथि विपिन त्यागी सभासद, अंकित राणा सभासद द्वारा किया गया। इस अवसर पर भाजपा नगर उपाध्यक्ष विकास त्यागी, भाजपा नगर महामंत्री राममोहन सैनी, भाजपा नगर महामंत्री राजेश अनेजा, अभिषेक त्यागी, भाजपा नगर मंत्री आलोक खटीक, सभासद कुलदीप सैनी, श्याम चौहान, ओमपाल चौधरी, मोहनलाल कोरी, विनय कुच्छल, रंजीत वाल्मीकि, जोगेंद्र जाटव, उमेश सैनी, निशु गुनारसा, नरेश प्रधान, सुमन धीमान, तनुज गर्ग, सतीश गिधर, जितेंद्र गोयल, देवेंद्र यादव, सचिन सिंघल, बलदीप सिंह, लवली सूरी, रवि होरा,सुमन धीमान, देवपाल राणा, मनोज राणा, श्रीनिवास त्यागी, मनोज शर्मा, मनोज बंसल, राहुल वाल्मीकि व अन्य राम भक्त उपस्थित रहे। जिनका सम्मान कमेटी के अध्यक्ष लक्की वर्मा, महामंत्री वैभव अग्रवाल व कमेटी के अन्य सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजीव गुप्ता ने किया। सभी भक्तों ने लीला का मंचन और बड़े ही मनमोहक संवाद सुने। सभी ने प्रभु श्री राम जी के विषय में विस्तार से जाना। मुख्य डायरेक्टर नरेश शर्मा को सुंदर प्रस्तुति के लिए सभी ने बधाई दी।

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें निस्तारण -- सुमित राजेश महाजन

जिला उद्योग बंधु की बैठक हुई संपन्न

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने निर्देश दिए कि निर्धारित समयसीमा में उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्योग बंधुओं से जुडे कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर करें। कामधेनु कॉम्प्लेक्स औद्योगिक क्षेत्र में मै0 संत एक्सपोर्ट के मोड़ से लेकर मै0 ग्रीन पैकेजिंग इंडस्ट्रीज तक बनी सड़क पर लगे विद्युत पोलों को शिफ्ट करने के संबंध में नगर निगम को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के अंदर संशोधित स्वीकृत धनराशि का भुगतान कर शिफ्टिंग कराई जाए। उन्होंने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देश दिए कि जिला पंचायत से संबंधित प्राथमिकता वाले एक करोड़ तक के निर्माण कार्यों को आगामी बोर्ड की बैठक में प्रस्तुत कर स्वीकृत कराया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि उद्योग बन्धुओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण समयबद्ध ढंग से किया जाये। उन्होंने कहा कि जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक में पारित निर्णयों का समय से अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर समस्याओं के निराकरण में तेजी लाए। उन्होने संबंधित विभागों को निर्देश दिये कि निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित सभी आवेदन पत्रों का समय से निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर अभिमन्यु मांगलिक, डीसी डीआईसी वीके कौशल, उद्यमीगण अनूप खन्ना, रविन्द्र मिगलानी, अनुपम गुप्ता, प्रमोद सडाना सहित अन्य उद्यमी और संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

अनुविभागीय अधिकारी को सौपा ज्ञापन, नहीं मानी गई मांगे तो होगा अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन

सयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन सीटू जैतहरी मोजर बेयर के खिलाफ हुए लामबंद

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, सयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन सीटू के पदाधिकारी श्री जुगल राठौर एवं अन्य प्रतिनिधिमंडल आज अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के साथ चर्चा वार्ता में शामिल हुए 10 बिंदुओं पर चर्चा हुई. चर्चा उपरांत सयुक्त ठेकेदारी मजदूर यूनियन सीटू प्रतिनिधिमंडल द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को चेतावनी भरे ज्ञापन देते हुए पूर्व में प्रेसित मांगो को दो सप्ताह के अंदर निराकृत करने कहा गया अन्यथा 16 अक्टूबर से मोजर बेयर बैराज पहुंच मार्ग महुदा एवं क्योटार में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी , उन्होंने बताया की प्रदेश के बाहर के मजदूरों को मोजर बेयर द्वारा अच्छा वेतन एवं सुविधाएं दी जा रही है किंतु प्रभावित खातेदार एवं स्थानीय मजदूरों को कम वेतन दिया जा रहा है और उनका शोषण किया जा रहा है उन्होंने ये भी बताया की मोजर बेयर द्वारा प्लांट परिसर में गुंडे पाल रखे है जो फोन में इन मजदूरों को धमकाते रहते है ,अब ये गुंडा गर्दी नही सहन होगी मोजर बेयर में कार्यरत अधिकारी के रिश्तेदारों को उच्च वेतन में रखा जा रहा है और मोजर बेयर से प्रभावित खातेदार किसानों को प्लांट में घुसने की अनुमति भी नही दी जा रही है जो मजदूर कार्य कर रहे है उन्हे आने जाने हेतु वाहन की सुविधा भी नही दी जा रही जिससे आए दिन ये मजदूर दुर्घटना के शिकार हो जाते है ओर इनके बीबी बच्चे अनाथ हो जाते है।

थाना राजेंद्रग्राम में हुई नवरात्रि महोत्सव पर्व पूर्व शांति समिति बैठक का हुआ आयोजन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, थाना परिसर राजेंद्र ग्राम में आज दिनांक 1.10.2024 को थाना परिसर में उपस्थित एसडीम सुधाकर सिंह एसडीओपी नवीन तिवारी सीईओ गणेश पांडे जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश मरावी जनपद सदस्य संगीता महोबिया सरपंच अर्जुन सिंह सचिन फूल सिंह उप सरपंच राजीव लोचन एवं पत्रकार बंधु व गनमान नागरिक के समक्ष थाना परिसर में बैठक ली गई उपस्थित हुए लगभग 50 सदस्य गण उपस्थित रहे एवं नवरात्रि महोत्सव पर्व शांति पूर्वक मनाया जाएगा किसी प्रकार की दंगा या सांप्रदायिक तनाव नही होने दिया जाएगा इस पर चर्चा की गई।

आर्मी चीफ बोले- मणिपुर में न बम ड्रोन का इस्तेमाल हुआ, न हथियारबंद घुसपैठी घुसे

मणिपुर में नेरेटिव की लड़ाई, भरोसा जमाने में लगेगा समय

नई दिल्ली। मणिपुर की स्थिति को लेकर आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा वहां स्थिति स्टेबल है लेकिन तनावपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भरोसा फिर से कायम करने में वक्त लगेगा। आर्मी चीफ ने साफ किया कि मणिपुर में न तो बॉम ड्रोन का इस्तेमाल हुआ और न ही हथियारबंद घुसपैठी घुसे हैं। उन्होंने कहा कि वहां नेरेटिव की लड़ाई चल रही है और हम कोशिश कर रहे हैं कि गलत नेरेटिव ना बने।

आर्मी चीफ ने कहा कि मणिपुर में जो पिछले साल शुरू हुआ वह एक अफवाह से शुरू हुआ था, जिससे हिंसा फैली। यह नेरेटिव की लड़ाई हो गई और कम्युनिटी के बीच पोलराइजेशन हुआ। उन्होंने कहा कि वहां स्थिति स्टेबल है लेकिन तनावपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आतंरिक तौर पर भी 60 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए, वह संख्या अब 40 हजार से कम आ गई है। हथियार लूटे गए, महिलाओं की अगुवाई में संगठन, अंडग्राउंड संगठन सामने आए जिससे लड़ाई मुश्किल हुई। जनरल द्विवेदी ने कहा कि हमने वहां आर्मी और असम राइफल्स के करीब 126 कॉलम तैनात किए है। हम भरोसा फिर से पैदा करने की कोशिश कर रहे है, इसमें वक्त लगेगा। उन्होंने कहा कि जो हथियार लूटे गए थे उससे हमने 25 पर्सेंट हथियार रिकवर किए हैँ। इससे ज्यादा लोकल टाइप वेपन रिकवर किए हैं। हम वहां पूर्व सैनिकों की सलाह भी ले रहे हैं।

हमें गलत नेरेटिव नहीं बनने देना है

आर्मी चीफ ने कहाकि हमें गलत नेरेटिव नहीं बनने देना है, जिसकी हम कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बॉम ड्रोन की बात आई लेकिन ग्राउंड पर हमने देखा ऐसा कुछ नहीं था। यह नेरेटिव बना कि 900 एंटीनैशनल एल्टीमेंट घुस आए हैं लेकिन ऐसा कुछ नहीं था। अगर हम यह कंट्रोल करें तो चीजें ठीक हो जाएंगी। म्यामांर से आ रहे घुसपैठियों की चचाओं के बीच आर्मी चीफ ने साफ किया कि म्यांमार में भी दिक्कत चल रही हैं और वहां से भी लोग ऐसी जगह जा रहे हैं जहां शांति हो और लोग उन्हें स्वीकार कर लें। तो वे मिजोरम और मणिपुर में आ रहे हैं। जो आ रहे हैं वह अनआर्म्ड आ रहे हैं और शेल्टर के लिए आ रहे हैं।

थिएटराइजेशन को लेकर सब एकमत

आर्मी, नेवी और एयरफोर्स को मिलाकर थिएटर कमांड बनाने की थिएटराइजेशन की प्रक्रिया पर आर्मी चीफ ने कहा कि इसे लेकर तीनों चीफ एकमत हैं और सीडीएस इसे लीडरशिप को प्रजेंट करने को तैयार हैं कि हम सब कैसा स्ट्रक्चर चाहते हैं। किस थिएटर कमांड को कौन हेड करेगा, इस पर आर्मी चीफ ने कहा कि एयरफोर्स की यूएसपी टेक्नॉलजी है, आर्मी की ह्यूमन रिसोर्स। एयरफोर्स की ताकत सेंट्रलाइजेश है और हमारी डी सेंट्रलाइजेशन। आर्मी लैंड फोर्स है और इससे बढ़ी है मल्टीडोमेन फोर्स। कोई एक आदमी कंट्रोल करेगा या ज्यादा लोग। ज्यादा हुए तो वक्त फैसला लेने में ही निकल जाएगा इसलिए एक आदमी चाहिए, चाहे वह किसी भी फोर्स का हो- आर्मी, नेवी या एयरफोर्स।

अग्निवीर में कोई कॉम्पिटिशन नहीं

अग्निपथ स्कीम और अग्निवीर को लेकर आर्मी चीफ ने कहा कि यह डर जताया जा रहा था कि अग्निवीर एक दूसरे से ही कंपीट करेंगे लेकिन ऐसा नहीं है। मैंने ग्राउंड पर देखा है, अग्निवीर खुश हैं और वे एक दूसरे से कंपीट नहीं कर रहे हैं बल्कि एक दूसरे को सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अग्निपथ स्कीम का मकसद सेना की यूथफुल प्रोफाइल थी और नॉर्दन फ्रंट पर रीबैलेंसिंग के लिए हम यूथ प्रोफाइल चाहिए था। उन्होंने कहा कि अग्निपथ स्कीम के तहत जिन युवाओं को चुन रहे हैं वे ज्यादा बेहतर है क्योंकि अब पहले लिखित परीक्षा ले रहे हैं फिर फिजिकल।

मेंटल और फिजिकल सिनर्जी बेहतर है।

यूपी में कई सांसद और विधायक सदस्यता अभियान में साबित हुए फिसड्डी

10 हजार का दिया था टारगेट, 500 सदस्य भी नहीं बनवा पाए

लखनऊ। यूपी में कई सांसद और विधायक सदस्यता अभियान में फिसड्डी साबित हुए हैं। कई सांसद और विधायक ऐसे हैं जो 500 से 1000 सदस्य भी नहीं बनवा सके। विधायकों को न्यूनतम दस हजार और सांसदों को बीस हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया था। जब इसकी पड़ताल हुई तो पता चला कि 22 विधायक और पांच सांसद 500 से 1000 के बीच ही सदस्य बनवा सके हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने इस पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि मंगलवार से शुरू होने वाले सदस्यता अभियान के दूसरे चरण में विधायक-सांसद अपने टारगेट पूरे करने पर ध्यान दें। वह सोमवार को विश्वेश्वरैया सभागार में सदस्यता अभियान को लेकर चल रही कार्यशाला में बोल रहे थे।

सूत्रों का कहना है कि भाजपा के विधायकों और सांसदों को कह दिया गया है कि सदस्यता अभियान उनका भविष्य तय करेगा। 2027 में उनका टिकट भी इसी पर निर्भर करेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिन सांसदों और विधायकों ने सदस्य नहीं बनाएं हैं, उनका नाम तो नहीं लिया जा रहा है, पर उन्हें खुद पता है कि उन्होंने क्या किया है। इसलिए अब 15 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान में जुटकर अपना ल?क्ष्य पूरा करें। संगठन महामंत्री धर्मपाल ने कहा कि 35 जिलों में डेढ़ लाख से ज्यादा सदस्य बने हैं। दस जिलों में एक लाख से ज्यादा सदस्य बने हैं। उन्होंने कुछ विधानसभा क्षेत्रों और बूथों पर कम सदस्य बनने पर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक पार्टी के सक्रिय सदस्य बनाने का काम किया जाएगा।

बीजेपी ने चुनाव प्रचार में आम आदमी के चेहरे को दी प्रमुखता

हरियाणा चुनाव में भाजपा के पोस्टर से गायब हुए खट्टर

गुड़गांव। हरियाणा में इस विधानसभा चुनाव में बीजेपी के पोस्टर किसी भी चुनावी भाषण से ज्यादा जोरदार हैं। हरियाणा में 10 साल सत्ता में रहने के बाद पार्टी के पोस्टरों में मनोहर लाल खट्टर नहीं हैं। जो लगभग पूरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री रहे। उसके बाद बीजेपी ने इस मार्च में उनकी जगह नायब सिंह सैनी को लेकर आई। यह साफ है कि पार्टी को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। इसका असर ही है कि अप्रैल-मई के आम चुनावों में बीजेपी सभी 10 लोकसभा सीटों से गिरकर 5 पर आ गई है। उसे सरकारी योजनाओं में ताकत दिख रही है। लोकसभा चुनावों के बाद बीजेपी बहुमत से चूक गई और गठबंधन सरकार बनाई। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर पहले बड़े चुनाव हैं। हालांकि राज्य बीजेपी प्रमुख मोहन लाल बडोली से संपर्क नहीं हो सका, लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि चुनावों में सत्ता विरोधी लहर के प्रभाव को कम करने के लिए पार्टी को फिर से रणनीति बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

कोटा के दशहरा मेलेका हेमा मालिनी की 'दुर्गा' से होगा आगाज

कोटा। कोटा में इस साल होने वाला 131वां राष्ट्रीय दशहरा मेला 3 अक्टूबर से शुरू होगा। यह मेला रात 1 बजे तक चलेगा और इसमें कई नए आकर्षण होंगे। मेले में रामलीला, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रावण दहन और भगवान लक्ष्मीनाथ की सवारी जैसे कई कार्यक्रम होंगे। मेले का उद्घाटन हेमा मालिनी की नृत्य नाटिका से होगा और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मेले में इस्कॉन बेंगलुरु द्वारा श्रीराम लला की भव्य झांकी भी सजाई जाएगी। कोटा शहर में इस साल 131वां राष्ट्रीय दशहरा मेला आयोजित किया जाएगा। मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने बताया कि मेले की शुरूआत 3 अक्टूबर से होगी।

इस बार मेले में कई नए आकर्षण देखने को मिलेंगे। मेले में इस बार कई बदलाव किए गए हैं। नए-नए आकर्षण मेले में नजर आएंगे। मेला रात के 11 बजे के बजाय रात 1 बजे तक चलेगा। हालांकि, इस बार मेले का लाइव प्रसारण नहीं होगा। मेला देखने के लिए लोगों को मेला ग्राउंड आना होगा।

मेला समिति अध्यक्ष राजवंशी ने बताया कि इस बार मेले को राममय लुक देने की कोशिश की गई है। मेला ग्राउंड के सभी प्रवेश द्वारों के नाम रामायण के पात्रों के नाम पर रखे गए हैं। इनमें राम द्वार, हनुमान द्वार, लव-कुश द्वार, नीलकंठ द्वार, सुग्रीव द्वार, नल-नील द्वार, परशुराम द्वार, बाली द्वार और अशोक वाटिका द्वार शामिल हैं। मेले में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इनमें कवि सम्मेलन, मुशायरा, लाफ्टर शो, कवि सम्मेलन और लड़के-लड़कियों के लिए अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। 12 अक्टूबर को रावण दहन किया जाएगा। इस बार 80 फीट के रावण, 60-60 फीट के मेघनाद और कुंभकरण के पुतले जलाए जाएंगे। गढ़ पैलेस से विजय श्रीरंगमंच तक भगवान लक्ष्मीनाथ जी की सवारी निकाली जाएगी। साथ ही, राम बारात का भी भव्य आयोजन किया जाएगा।

एससी-एसटी वर्ग के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

संविधान के साथ खिलवाड़ होता लगा तो छोड़ दूंगा मंत्री पद

पटना। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि अगर उन्हें लगा कि उनके समाज के लोगों के साथ अन्याय हो रहा है, तो वो एक मिनट में मंत्री पद छोड़ देंगे। एससी-एसटी वर्ग के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने अपने पिता रामविलास पासवान का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह उन्होंने एक मिनट में मंत्री पद त्याग दिया था, वो भी ऐसा ही करेंगे। दरअसल, पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए चिराग पासवान ने कहा कि चाहे वो किसी भी गठबंधन में रहें या किसी भी पद पर रहें, अगर उन्हें लगा कि संविधान और आरक्षण के साथ खिलवाड़ हो रहा है तो वो तुरंत मंत्री पद छोड़ देंगे। चिराग पासवान ने अपने पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अपने समाज के हितों के लिए आवाज बुलंद की।

उन्होंने कहा कि जैसे मेरे पिता ने एक मिनट में मंत्री पद त्याग दिया था उसी तरह मैं भी एक मिनट में मंत्री पद त्याग दूंगा। कार्यक्रम के दौरान चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि लैटरल एंट्री में आरक्षण के मुद्दे पर जब उन्होंने पीएम मोदी से बात की तो उन्होंने उनकी बात सुनी।

टायर फटने से हुआ हादसा, 5 टीचर्स समेत 44 लोग थे सवार, 3 से लेकर 15 साल की उम्र तक के थे बच्चे

थाइलैंड में स्कूल बस में आग, 25 छात्रों की मौत

बैंकाक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के उपनगरीय इलाके में मंगलवार को एक स्कूल बस में आग लगने से 25 छात्रों की मौत हो गई। अधिकारियों और बचाव दल ने यह जानकारी दी। परिवहन मंत्री सूर्या ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया कि बस में 44 लोग सवार थे। यह लोग मध्य उथाई थानी प्रांत से बैंकॉक स्थित स्कूल जाने के लिए बस में सवार हुए थे, तभी दोपहर के करीब बस में आग लग गई। बस में आग लगने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

आग लगने की वजह अब तक सामने नहीं आई है। हालांकि मौके पर मौजूद चश्मदीदों का कहना है कि बस का टायर फटने की वजह से आग लगी। हादसा बैंकॉक के खू खोट इलाके में मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुआ। बस एक स्कूल ट्रिप से लौट रही थी। बस में 3 से लेकर 15 साल की उम्र तक के बच्चे मौजूद थे। इसके अलावा इनके साथ 5 टीचर भी सवार थे। सूत्रों के मुताबिक, बस का ड्राइवर फरार है और उसे ढूंढने की कोशिश की जा रही है।

मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं

गृह मंत्री अनुतिन चरनविराकुल ने कहा कि अधिकारी अभी मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने घटनास्थल की जांच पूरी नहीं की है। मगर, जिंदा बचे लोगों की संख्या के आधार पर 25 लोगों के मारे जाने की आशंका है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में पूरी बस आग में घिरी हुई दिखाई दे रही है। यहां तक कि सड़क पर खड़ी बस के बाहर काले धुएं का गुबार उठ रहा है। फिलहाल छात्रों की उम्र का कुछ पता नहीं लग सका है।

कम से कम 10 शव मिले

घटनास्थल पर मौजूद एक बचावकर्मी ने परिवहन मंत्री को बताया कि आग संभवत- एक टायर में विस्फोट होने और वाहन के सड़क के अवरोधक से टकराने के बाद लगी। बचाव समूह के 21 साल के होंगसाकुल ख्लोंग लुआंग ने फेसबुक पर बताया कि बस में कम से कम 10 शव मिले हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569